

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 65 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

रायपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़ों को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच खुली हुई बहस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच मंगलवार को रायपुर प्रेस दलब में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर खुली बहस हुई। दोनों नेताओं ने घरों की संख्या, लक्ष्यों व केंद्र और राज्य सरकार की भूमिका को लेकर एक-दूसरे के दावों पर सवाल उठाए। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने बताया कि शर्मा द्वारा बघेल को इस मुद्दे पर आमने-सामने चर्चा की चुनौती दिए जाने के बाद यह बहस आयोजित की गई। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल के आंकड़े पेश किए। बहस मुख्य रूप से स्वीकृत, लंबित और पूरे हो चुके घरों तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की भूमिका पर केंद्रित रही। बघेल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में ‘‘झूठ’’ बोल रही है और लोगों को गुमराह करने के लिए आंकड़ों का इस्तेमाल कर रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग संभाल रहे शर्मा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस की पिछली सरकार पर लाखों गरीब परिवारों को घर उपलब्ध कराने में विफल रहने का



आरोप लगाया। शर्मा ने कहा, ‘‘कांग्रेस ने गरीब लोगों के सपनों के साथ खिलवाड़ किया।’’ उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय सरकार ने पिछले द्वाई वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 11.51 लाख घर पूरे किए हैं और हाल में 3.65 लाख और घरों को मंजूरी मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पिछली सरकार ने 2021-22 में केंद्र द्वारा दिए गए 7.81 लाख घरों के लक्ष्य

को स्वीकार नहीं किया।

बघेल के 2022-23 में प्रधानमंत्री आवास पोर्टल बंद रहने के दावे पर शर्मा ने उन पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने 2022 में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से इस्तीफा दिया था क्योंकि तत्कालीन राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास के लिए धन मंजूर नहीं किया था। वहीं, बघेल ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए घरों का लक्ष्य 2011 की जनगणना के आधार पर तय किया गया था, जिसमें 18 लाख घर और ‘आवास प्लास’ श्रेणी के तहत आठ लाख अन्य घर शामिल थे।

उन्होंने कहा कि 2015 में योजना शुरू होने से 2023 में उनकी सरकार का कार्यकाल समाप्त होने तक राज्य में करीब 11 लाख घर बनाए गए थे। बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद 14 दिसंबर, 2023 को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख घरों को मंजूरी देने की घोषणा की थी। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के तीन दौरों में करीब 10 लाख और घरों की घोषणा की, जिससे कुल 28 लाख घरों का आंकड़ा सामने आया।

बिहार में बाढ़ से प्रभावित 8,27,472 परिवारों के बैंक खातों में DBT के जरिए कुल 579.23 करोड़ ट्रांसफर किए गए

बिहार। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 सितंबर को पब्लिक सर्वेंट्स रेजिडेंस के ‘संकल्प’ ऑडिटोरियम में बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि बांटने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित 8,27,472 परिवारों के बैंक खातों में सीधे 579.23 करोड़ ट्रांसफर किए गए। हर परिवार को डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए 7,000 मिले। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित किया गया था, जहाँ आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्लय ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों, चल रहे राहत और बचाव कार्यों, और प्रभावित लोगों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तृत रिपोर्ट पेश की। वहाँ मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए चौधरी ने जोर देकर कहा कि बाढ़ की गंभीर स्थिति में राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत, मदद और सुरक्षा पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ बाढ़ से प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। राहत और बचाव कार्यों में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि बाढ़ से 21 शहरों के 136 वार्ड, 2,642 गाँव, 575 ग्राम पंचायत, 88 ब्लॉक और 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी से लगभग 55,000 हेक्टेयर जमीन और फ़सलें बर्बाद हो गई हैं। सभी स्तरों पर राहत और बचाव कार्य चल रहे हैं। चौधरी ने बताया कि 1,200 से ज्यादा कम्युनिटी किचन चल रहे हैं, जिनसे प्रभावित लोगों को लगभग 1.28 करोड़ बार खाना खिलाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित इलाकों में खाना, पीने का पानी, दवाइयाँ और दूसरी ज़रूरी चीज़ों की लगातार



सप्लाई सुनिश्चित की जाए। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फ़ेर्स (हख़क़न्न) और स्टेट डिजास्टर रिसपॉन्स फ़ेर्स (सख़क़न्न) की 21 टीमें राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। चौधरी ने भरोसा दिलाया कि हालात सामान्य होने तक मदद जारी रहेगी और इस बात पर जोर दिया कि प्रभावित लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। CM ने जारी की राहत राशिउन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पात्र लाभार्थियों की पहचान और सत्यापन में पारदर्शिता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि अगर कोई पात्र परिवार छूट गया है, तो उसे एक हफ़्ते के भीतर राहत सुची में शामिल किया जाए ताकि किसी भी ज़रूरतमंद व्यक्ति को मदद से वंचित न रहना पड़े। इसके अलावा, चौधरी ने पहले से बेहतर पुनर्निर्माण (Build Back Better Than Before) के सिद्धांत के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण के कार्यों में तेज़ी लाने का आह्वान किया। इसमें परिवारों और किसानों के लिए कृषि इनपुट सब्सिडी, सड़कों की मरम्मत और अन्य ज़रूरी मदद को एक महीने के भीतर पूरा करना शामिल है।

संगरूर के गुलज़ार सिंह की आत्महत्या के मामले में कांग्रेस ने चंडीगढ़ में पंजाब सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया

संगरूर। गुलज़ार सिंह की आत्महत्या के बाद, 15 सितंबर को चंडीगढ़ में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि पंजाब के मंत्री हरपाल चीमा से आमना-सामना होने के बाद सिंह ने अपनी जान दे दी। पंजाब कांग्रेस प्रमुख और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने इस मामले में हरपाल चीमा की भूमिका का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफ़े और गिरफ्तारी की मांग की। इस प्रदर्शन में सचिन पायलट, राजा वडिंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, गुरजीत सिंह औजला और पार्टी के अन्य सदस्यों समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान, जोरदार नारेबाज़ी के बीच भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पत्रकारों से बात करते हुए राजा वडिंग ने कहा कि आज सचिन पायलट की अगुवाई में पूरी कांग्रेस पार्टी ने मार्च निकाला है। हमारी मांग है कि हरपाल चीमा इस्तीफ़ा दें, उनके खिलाफ़तुरंत FIR दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, भगवंत मान को एक दोषी को बचाने के लिए आपरा मांगनी चाहिए। यही हमारी मांग है, और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूँगा। प्रताप सिंह बाजवा ने इसी तरह के मामलों में कानून के अलग-अलग तरह से लागू होने का आरोप लगाया और चीमा के खिलाफ़ कार्टवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इस देश में कानून



के दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। हमारे एक जिला मैनेजर, गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या कर ली थी। अपने बयान में उन्होंने कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुख़्तरा का नाम लिया था। मंत्री को गिरफ्तार किया गया और वह सात महीने से जेल में है। जब गुलज़ार सिंह ने आत्महत्या की, तो उन्होंने कहा कि इसके लिए हरपाल चीमा जिम्मेदार थे। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन हरपाल चीमा को नहीं। क्या इस देश में कानून के दोहरे मापदंड हो सकते हैं? हम उनके इस्तीफ़े के लिए सड़कों पर उतरेंगे। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जरिए हम उनके इस्तीफ़े और गिरफ्तारी, दोनों की मांग करेंगे। उन्हें जेल जाना ही होगा। यह विरोध प्रदर्शन संगरूर के रहने वाले और वाल्मीकि समुदाय के सदस्य गुलज़ार सिंह की मौत के बाद हुआ। उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंत्री चीमा से झूंस के बढ़ते संकट के बारे में सवाल किया था, जिससे उनके बेटे पर बुरा असर पड़ रहा था। इस घटना के बाद, मंत्री से सवाल पूछने के कारण स्थानीय नेताओं और पंचायत सदस्यों ने कथित तौर पर

SC ने चेक बाउंस मामलों में राजपाल यादव को 5 करोड़ जमा करने के लिए 2 हफ़्ते और दिए, फटकार भी लगाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर राजपाल यादव को सात चेक बाउंस मामलों में सरेंडर करने से मिली अंतरिम राहत को आगे बढ़ा दिया है, साथ ही उन्हें दो हफ़्ते के अंदर रजिस्ट्री में 5 करोड़ जमा करने को कहा है। गौरतलब है कि 8 सितंबर को कोर्ट ने यादव को सुरक्षा देते हुए एक दिन के अंदर यह रकम जमा करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह आदेश तब दिया जब यादव और उनकी पत्नी की तरफ़ से दायर याचिकाओं का ज़िक्र AoR सौरभ त्रिवेदी ने मौखिक रूप से किया। बेंच ने यादव की ज्यादा समय की मांग को अनिच्छा से मंजूरी दी और कहा कि हमें चिंता इस बात की है कि वह इ़मा और एविटिंग करने में माहिर हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के जुलाई के फैसले को चुनौती देते हुए एक SLP (स्पेशल लीव पिटिशन) दायर की गई है। इस फैसले में कोर्ट ने कई चेक बाउंस मामलों में बॉलीवुड एक्टर की सज़ा को बरकरार रखा था, ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों में दखल देने से इनकार कर दिया था और प्रोबेशन की उनकी अपील को भी ठुकरा दिया था। हाई



कोर्ट ने कहा कि बार-बार वादे तोड़ने और न्यायिक प्रक्रिया की अनदेखी करने की वजह से वह नरमी पाने के हकदार नहीं रहे। यह समझते हुए कि यादव आगे कानूनी उपाय अपना सकते हैं, हाई कोर्ट ने उन्हें सज़ा के अमल से दो महीने की मोहलत दी थी ताकि वे ऊपरी अदालत में अपील कर सकें। जस्टिस स्वर्ण काला शर्मा ने यादव और अन्य लोगों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने ‘नेगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट्स एक्ट’ के तहत अपनी दोषसिद्धि और सज़ा को चुनौती दी थी। दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए, कोर्ट ने न्यायिक कार्यवाही की पवित्रता पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून कोई ऐसी स्क्रिप्ट नहीं है जिसे किसी एक्टर की मर्जी से दोबारा लिखा जा सके।

जीवन मंत्र

जिन्दगी खूबसूरत तब लगेगी जब आप उसका हर स्टेज में मज़ा लेना सीखेंगे



हमारे एक गुरुतुल्य बुजुर्ग की यह बात सुनकर , हमारा एक साथी बोला, पिछले हफ़्ते आप बता रहे थे कि जिंदगी की हर भावना को जी भर के जियें, खुशी में हसें , ठहाके लगायें, गम में उदास हो जायें , चाहे तो दो आँसू बहा लें क्योंकि आप ईंसान हैं . फिर आज आप यह कौन सी बात कह रहे हैं ? अब उन बुजुर्ग ने एक कहानी सुना दी . एक समय की बात है . एक व्यक्ति खुद से बहुत दुखी होकर एक सिद्ध महाराज के पास पहुंचा और बोला, महाराज , मैं पूरे जीवन बहुत दुखी रहा हूं, बचपन से मां नहीं थी. पिताजी ने बहुत अच्छे से पाला . जब मेरी नौकरी नहीं लगी थी तब मैं सोचता था कि मैं अपने पिताजी को बहुत सुख से रखूंगा . मेरी नौकरी लगी पर मैंने सोचा कि कुछ अच्छा प्रमोशन हो जाये तो पिताजी को तीर्थ यात्रा भेजूंगा. मेरा अच्छा प्रमोशन होने के पहले मेरे पिताजी चल बसे. मेरी फैमिली को सुख देने के बारे में सोचकर दिन रात मेहनत करता था . अब जाकर मैं घर बनवा पाया हूं पर मेरा इकलौता बेटा पढ़ने के बाद , नौकरी करने चला गया . मेरी बीवी अब उस नये घर में नहीं जाना चाहती है . मैं क्या करूं? स्वामी जी बोले , तुम मेरा एक काम करो . कुटिया के पीछे एक बगिया है . तुम उससे चुनकर , सबसे खूबसूरत फूल लेकर आना . पर शर्त यह है कि एक बार जिस फूल को छोड़ दिया उसे नहीं तोड़ना है और फूल जरूर लाना है. पीछे आकर उस व्यक्ति ने देखा कि बहुत बड़ी बाड़ी है . वह फूलों को देखता आगे बढ़ता चला गया . पहले छोटे फूल , फिर बड़े फूल मिले, फिर मिक्स फूल मिले , अनेक फूल खूबसूरत थे पर उसे सबसे सुंदर फूल तोड़ना था . वह आगे बढ़ता चला गया कि अचानक उसने देखा कि बाड़ी खत्म हो रही है व केवल मुरझाये फूल रह गये हैं . मजबूरी में वह उन मुरझाये फूलों में से सबसे बड़ा फूल तोड़ स्वामीजी के पास ले आया . जब स्वामीजी ने मुरझाया फूल देखा तो उसने अपनी आपबीती बताई, अब स्वामीजी मुस्कुराते हुए बोले, यही नजारा हमारी जिंदगी का होता है . उस बगिया के छोटे बड़े सुन्दर फूल मान लो तुम्हारी जिंदगी की छोटी बड़ी खुशियां थीं पर उन्हें छोड़कर तुम आगे बढ़ते गये और मुरझाया हुआ फूल मिला. बेहतर खुशी की आस में हम अपने वर्तमान के समय की छोटी बड़ी खुशी को छोड़ देते हैं और समय बीत जाने पर पछताते है. कितनी जबरदस्त बात बताई स्वामीजी ने. साथियों , इस से यह समझ आता है कि सिर्फमंजिल को नहीं सफ़र का भी मज़ा लेना आना चाहिये. आपके जीवन की छोटी छोटी खुशी का आप आनंद लेना शुरु करेंगे इस शुभकामना के साथ आज का यह अंक समाप्त ..

मधुर चितलाण्या , संपादक, पूरब टाइम्स, भिलाई

अपन तो कहेंगे पूरब टाइम्स



अपन तो कहेंगे : सुखबीर बादल , उद्भव ठाकरे , नीतीश-बाबू के बाद नायडू, एकनाथ शिंदे, सुनेत्रा पवार, जयंत चौधरी, चिराग पासवान इत्यादि में से किस पर मेहरबानी होगी ?

सार-संक्षेप

अवैध मदिरा के विरुद्ध

आबकारी विभाग की कार्यवाही

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के दिशा-निर्देश व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफ़र खलखो के मार्गदर्शन में विगत 11 सितम्बर 2026 को आरोपी अशोक कुमार घोरानी थाना रानीतराई पाटन के कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं आरोपी मुकेश कुमार जोशी ग्राम ओटेबंद तहसील धमधा के कब्जे से 40 नग पाव देशी मदिरा मसाला शोले एवं 12 सितम्बर को आरोपी कान्हा चंद्राकर ग्राम पंचपेड़ी, जिला दुर्ग के कब्जे से 48 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा (गोवा राज्य में विक्रय हेतु अधिकृत) तथा आरोपी संजय सिंह ठाकुर ग्राम सिरसाकला जिला दुर्ग के कब्जे से 50 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा (गोवा राज्य में विक्रय हेतु अधिकृत) कुल 33.84 लीटर शराब जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34(2) एवं 36 का उल्लंघन किये जाने पर 04 आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया।

मोदी जी के 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियान

- 17 सितंबर को पुलिस लाइन में सवा लाख दिये जलाए जाएंगे
 दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं, इसी क्रम में 17 सितंबर को शाम सवा लाख दिए जलाये जायेंगे जिसके तैयारी को लेकर आज स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित जिला प्रशासन के साथ कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

श्रुति फाउंडेशन छत्तीसगढ़ संस्था का

‘साइबर जागरूकता अभियान’ के तहत हुआ सम्मान

पूरब टाइम्स दुर्ग

सामाजिक क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे जनहितकारी कार्यों एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रुति फाउंडेशन छत्तीसगढ़ को मुद्रा वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित "साइबर संरक्षण-2026"कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित कार्यक्रम एस पी विजय अग्रवाल, शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,जिला दुर्ग एवं डॉ. संकल्प राय,साइबरथाना प्रभारी,दुर्ग रेंज, अजय भसीन, प्रदेश महामंत्री, चैंबर ऑफ कॉमर्स छत्तीसगढ़,टीना सातपुते उपस्थित रहे।

श्रुति फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की संस्थापिका एवं अध्यक्ष नीतू श्रीवास्तव की संस्था द्वारा निरंतर



किए जा रहे सामाजिक कार्यों को देखकर मुद्रा वेलफेयर सोसायटी के द्वारा उन्हें सम्मानित किया टीना सातपुते एवं उनकी पूरी टीम का नीतू श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के

संरक्षक अंजन राय चौधरी, प्रीति खरे, साधना चौधरी, ज्योति श्रीवास्तव, संगीता देवांगन, आशा देवांगन, अंजू, लीला, प्रभजीत भाटिया, सरिता एवं सुचित्रा सहित संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भिलाई के उद्योगपति जितेंद्र गुप्ता ने की शिरकत,रुसी राष्ट्रपति पुतिन एवं प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात



जितेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ पदाधिकारी चैंबर ऑफ कॉमर्स

पूरब टाइम्स दुर्ग।

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन में विश्व के कई देशों में शिरकत की छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने भिलाई के जाने वाले उद्योगपति जितेंद्र गुप्ता ब्रिक्स सम्मेलन में पहुंचे जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन एवं प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की विश्व स्तर के इस कार्यक्रम में जितेंद्र गुप्ता ने ब्राजील,रशिया एवं साउथ अफ्रीका जैसे देशों के साथ व्यापार संबंधी वार्ता में हिस्सा लिया। इन देशों के साथ इंजीनियरिंग का आदान-प्रदान होने की बात जितेंद्र गुप्ता ने कही। जितेंद्र गुप्ता लंबे समय से चैंबर ऑफकॉमर्स के साथ जुड़े हुए हैं एवं चैंबर के उद्योग उद्योग के अध्यक्ष के रूप में पदस्थ हैं रिवर्स इंजीनियरिंग में इन्हें महारत हासिल है प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने उत्साहित किया और एमएसएमई उद्योगों को देश का भविष्य एवं ग्रोथ का इंजन बताया।

ज्ञात हो कि जितेंद्र गुप्ता केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ व्यापार संबंधी यात्रा में पहले भी लंदन जा चुके हैं ब्रिक्स में 11 सितंबर को बिजनेस फोरम की मीटिंग में उन्होंने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए रूस ब्राजील जैसे देशों के सामने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। इन देशों ने भी भारत के साथ व्यापार बढ़ाने में इच्छा जताई जिस प्रकार से भिलाई के एक जाने माने उद्योगपति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर में व्यापार को बढ़ाने के लिए अपनी बात रखी है। निश्चित रूप से आने वाले भविष्य में छत्तीसगढ़ का व्यापार अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर की नई ऊंचाइयों को छूएगा।



भिलाई से ब्रिक्स सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले जितेंद्र गुप्ता जी निश्चित रूप से एक प्रभावशाली व्यक्तित्व है जिस तरीके से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भिलाई एवं छत्तीसगढ़ की छवि को रखा है। निश्चित रूप से आने वाले समय में यहां व्यापार को बढ़ावा मिलेगा वह चैंबर ऑफकॉमर्स में लंबे समय से पदस्थ हैं हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे बीच के एक वरिष्ठ उद्योगपति ने आज विश्व पटल पर भिलाई को एक नई पहचान दिलाई है। अजय भसीन, प्रदेश महामंत्री, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स



ब्रिक्स सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर जेपी गुप्ता ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया। 11 देशों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन संवाद कर उन्होंने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को सामने रखा। वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़ की उद्योग, व्यापार और निवेश संभावनाओं को मजबूती से प्रस्तुत किया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने प्रदेश के उद्यमियों और व्यापार जगत को नई पहचान दिलाई। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद से नए व्यापारिक अवसरों और सहयोग के द्वार खुले हैं। जेपी गुप्ता ने अपने अनुभव और नेतृत्व से छत्तीसगढ़ की आवाज को वैश्विक मंच तक पहुंचाया। यह उपलब्धि प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग जगत के लिए गर्व का विषय है। उनका यह अंतरराष्ट्रीय संवाद स्थानीय से वैश्विक की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की उम्मीदें और मजबूत हुई हैं। जेपी गुप्ता को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ। शंकर सचदेव,जन सम्पर्क अधिकारी छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स

सवा लाख दीपों से जगमगाएगा पुराना पुलिस ग्राउण्ड

17 सितंबर को होगा,आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम,

-17 सितंबर दिन गुरुवार स्थान पुराना पुलिस ग्राउंड,

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियान

दुर्ग। नगर पालिक निगम। राज्य शासन के आदेशानुसार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार दुर्ग नगर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना, विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रति व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

अभियान के अंतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न गतिविधियों में नगर पालिक निगम दुर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के तहत नागरिकों की भागीदारी से सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुराना पुलिस ग्राउण्ड में 17 सितंबर को सवा लाख दीपों का प्रज्वलन अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को संध्या 6 बजे पुराना पुलिस ग्राउण्ड, दुर्ग में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 1 लाख 25 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते

हुए विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम सहित अभियान की अन्य गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन के लिए निगम आयुक्त लीना कोसम द्वारा नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की इ्यूटी निर्धारित की गई है। निगम द्वारा कार्यक्रमों के सुचारु संचालन एवं व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

अभियान में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘आशीर्वाद का दीया’ 17 सितंबर, ‘मेरे सपनों का भारत’ चित्रसेवा 18 सितंबर से 3 अक्टूबर, नमो सेवा अनकही कहानियां’ 17 से 21 सितंबर, सेवा से 10 अक्टूबर एवं 15 से 17 अक्टूबर, ‘आंगन मिलन सेवा’

26 सितंबर से 2 अक्टूबर एवं 12 से 14 अक्टूबर, ‘सेवा की कहानी’ 17 से 21 अक्टूबर, ‘सेवा संकल्प यात्रा’ 1 से 5 अक्टूबर, ‘ज्योति कलश यात्रा विकसित भारत का संकल्प’ 7 अक्टूबर, ‘जल जन सेवा’, ‘सेवा मेरा योगदान’ 23 से 25 सितंबर, ‘सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार’ 1 से 5 अक्टूबर, ‘सेवा के रंग राष्ट्र के संग’ 29 सितंबर, ‘सेवा फ़र्ट इनोवेशन सैंलेंज’ 9 अक्टूबर तथा ‘सुशासन सेवा संवाद’ 17 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

जिला प्रशासन एवं नगर निगम दुर्ग द्वारा नागरिकों से इन सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर सेवा, सुशासन एवं विकसित भारत के संकल्प को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील की गई है।

बिहान से जुड़कर मनीषा ने संवारा अपना भविष्य, पार्लर व्यवसाय को मिला

विस्तार, आत्मनिर्भरता के साथ लखपति दीदी बनने की ओर बढ़ाए कदम

पूरब टाइम्स दुर्ग। कभी घर के छोटे से कमरे में सीमित संसाधनों के साथ पार्लर चलाने वाली ग्राम पंचायत पुंछा की मनीषा ठाकुर आज अपनी स्वयं की दुकान संचालित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ‘बिहान’ से जुड़ने के बाद उन्हें समूह की ताकत, बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी मिली, जिसका लाभ उठाकर उन्होंने अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया।

आज उनका पार्लर व्यवसाय अच्छी आमदनी का जरिया बन गया है और वे लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मनीषा ठाकुर अम्बे स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं। समूह में कुल 14 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। बिहान से जुड़ने से पहले मनीषा घर से ही पार्लर का संचालन करती थीं।

समूह से मिली जानकारी, ऋण सुविधा से खुला आगे बढ़ने का रास्ता

बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद मनीषा को समूह की बैठकों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था, ऋण सुविधा और व्यवसाय विस्तार की जानकारी मिली। उन्होंने उपलब्ध ऋण सुविधा का लाभ लेकर अपने पार्लर व्यवसाय में आवश्यक संसाधन जुटाए और अपनी स्वयं की दुकान शुरू की। दुकान मिलने से ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने के साथ व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

सामान्य दिनों में 30 से 35 हजार, सीजन में 1 से 2 लाख तक पहुंचती है आय

मनीषा बताती हैं कि वर्तमान में उनके पार्लर से



सामान्य दिनों में लगभग 30 से 35 हजार रुपये प्रतिमाह की आय हो जाती है। वहीं शादी-विवाह और त्योहारों के सीजन में ग्राहकों की संख्या बढ़ने पर उनकी आमदनी 1 से 2 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। बढ़ती आय ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि मनीषा के आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई दी है।

हुनर को मिला मंच, बढ़ा आत्मविश्वास

मनीषा कहती हैं कि उनके पास पार्लर का काम करने का हुनर पहले से था, लेकिन व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और सही जानकारी

की जरूरत थी। बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्हें यह अवसर मिला। समूह के माध्यम से मिली जानकारी और ऋण सुविधा ने उनके लिए आगे बढ़ने का रास्ता आसान किया। आज मनीषा अपने व्यवसाय का संचालन स्वयं कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। उनकी सफलता यह बताती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सहयोग मिले तो वे अपने हुनर को आजीविका का मजबूत साधन बना सकती हैं।

अन्य महिलाओं के लिए नर्नी प्रेरणा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुवे ने कहा कि बिहान स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। मनीषा ठाकुर की सफलता इस बात का उदाहरण है कि महिलाएं अपने हुनर और छोटे व्यवसाय को समूह के सहयोग से आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। मनीषा की कहानी गांव की उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने हुनर के बावजूद संसाधनों की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पातीं। बिहान से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने व्यवसाय का विस्तार किया, बल्कि अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से लखपति दीदी बनने की राह भी तैयार की है।



- 16 सितम्बर को देवांगन भवन जनपद पंचायत पाटन में शिविर का आयोजन

दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इश्योर्स कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कुट्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि-शुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण /चिन्हांकन शिविर का आयोजन न.पा. परि. कुहारी /जामूल/अहिंवारा, न.प्रंचा, धमधा एवं जनपद पंचायत धमधा के समस्त ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करते हुए स्थान-भीमराव अम्बेडकर भवन, बाजार चौक,

धमधा, जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 83 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न सामग्री जैसे मोटराइज्ड द्रायसिकल, द्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर, वॉकिंग स्टिक, वॉकर, सुगम्य छड़ी आदि उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया, आज के शिविर में 60 हितग्राहियों को कुल 124 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया।

उक्त अवसर पर अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल, रोहित कुमार साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत धमधा, पार्षदगण कुमारी बाई टोण्डरे, डोमार सोनकर, चन्द्रिका ब्रम्हभट्ट, एल्डमेनगण-मन्ना महोबिया, अजय मिश्रा, तुलसी पटेल, ए.पी.



गौतम, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग तथा एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं नगर पंचायत धमधा के कर्मचारी एवं समाज कल्याण विभाग व जनपद पंचायत धमधा के कर्मचारी उपस्थित रहें। इसी कड़ी में 16 सितम्बर 2026 को देवांगन भवन जनपद पंचायत पाटन में समय 10.00 प्रातः से 4.30 अपराह्न बजे तक दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सहायक उपकरण वितरण पूर्व मूल्यांकन, चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया है।

सिटी सक्षिप्त समाचार

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

पेंशन, पीएम किसान, शौचालय और बिजली संबंधी मांगों पर अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

मुंगेली। जिला कलेक्टोरेट में आज आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से उनकी समस्या की जानकारी लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार एवं समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम खैरवार खुर्द के श्री शशि कुमार ने सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन दिलाने, ग्राम लगरा के राजेंद्र प्रसाद घृतलहरे ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बुधवार के हैमिन खंडे ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय स्वीकृत कराने तथा ग्राम पालवुआ के किशोर सप्र ने ट्रांसफर्मर लमवाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर तोपनो ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के साथ लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से निराकरण जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले। जनदर्शन के दौरान एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ ी गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम रेखा चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

माटी के दीयों में सजेगा जनभावनाओं का उजाला

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने खरीदे मिट्टी के दीये, 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाने की अपील कोरबा। प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण की यात्रा के प्रति सम्मान, आभार और स्नेह व्यक्त करने के लिए 17 सितंबर को शाम 7 बजे ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाया जाएगा। इस भावनात्मक जनअभियान की शुरुआत से पहले कैबिनेट मंत्री एवं कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन ने आज दूरी मुख्य मार्ग पहुंचकर मिट्टी के दीये खरीदे और आम नागरिकों से भी इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की। मिट्टी के दीये खरीदते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि माटी का यह छोटा सा दीपक केवल रोशनी का माध्यम नहीं है, बल्कि इसमें करोड़ों देशवासियों की भावनाएं, विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के प्रति सम्मान का भाव जुड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष देश और समाज की सेवा को समर्पित किए हैं। उनके नेतृत्व में देश ने विकास और आत्मविश्वास की नई दिशा हासिल की है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे जब कोरबा सहित देशभर के घर-आंगन में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलेगा, तब हजारों-लाखों दीपक मिलकर जनभावनाओं के एक बड़े प्रकाश में बदल जाएंगे।

हर जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: राजेश अग्रवाल

लखनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मिले पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित कर ‘सेवा संकल्प अभियान’ में सहभागी बनने का किया आह्वान

रायपुर। सरगुजा दौरे के दौरान नगर पंचायत लखनपुर पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हितग्राहियों से आवास निर्माण की स्थिति, योजना से मिले लाभ तथा आवास से जुड़ी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार गरीब तथा जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी संकल्प का महत्वपूर्ण

उदाहरण है, जिसके माध्यम से अनेक परिवारों को अपने पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिला है। राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह गरीब परिवारों के सम्मान, स्वाभिमान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया है, उससे देश के लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पक्का मकान मिलने से परिवारों को न केवल सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला है, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति नई



उम्मीद भी मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पात्र हितग्राहियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहना पड़े। हितग्राहियों से चर्चा के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने उनकी व्यक्तिगत समस्याओं और आवास निर्माण से संबंधित आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि शासन की

योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ

कार्य करने की अपेक्षा की।

‘सेवा संकल्प अभियान’ से जुड़कर जनभागीदारी को मजबूत करने का आह्वान मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, जनकल्याण और जनभागीदारी के भाव को निरंतर मजबूती मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि 17 सितंबर की संध्या 7 बजे अपने-अपने घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित करें और सेवा, समर्पण तथा जनभागीदारी के इस संकल्प से जुड़ें। उन्होंने कहा कि घरों में प्रज्वलित होने वाला आशीर्वाद का दीया समाज में सेवा और सकारात्मकता का संदेश भी देगा।

श्रमिकों की ई-केवाईसी के लिए गांव-गांव लगेगे शिविर, 30 सितंबर तक चलेगा अभियान

मनेन्द्रगढ़, खड़गांव और भरतपुर विकासखंड की ग्राम पंचायतों में संशोधित कार्यक्रम जारी; अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह 10 बजे शिविर स्थल पर पहुंचने के निर्देश



रायपुर। जिले के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए राहत की खबर है। अब उन्हें पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन और ई-केवाईसी जैसी प्रक्रियाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के निर्देश पर ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर श्रमिकों की ई-केवाईसी और विभिन्न योजनाओं से जुड़े आवेदन लिए जाएंगे। मनेन्द्रगढ़, खड़गांव और भरतपुर विकासखंड में

शिविरों का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। यह अभियान 30 सितंबर 2026 तक चलेगा। शिविरों में पंजीकृत श्रमिकों के पंजीयन और नवीनीकरण के साथ पंजीयन में संशोधन, विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन तथा ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी।

जशपुर में जनजातीय पर्यटन को बड़ी सौगात, पीएम-जुगा के तहत वलस्टर होमस्टे परियोजना को मिली मंजूरी

बगीचा-मयाली-जशपुर क्षेत्र के 6 जनजातीय गांवों में विकसित होंगे 30 होमस्टे, स्थानीय परिवारों को पर्यटन से मिलेगा सीधा रोजगार और आय के नए अवसर

जनजातीय संस्कृति और स्थानीय आजीविका को पर्यटन से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता-पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनजातीय पर्यटन को नई ऊंचाई देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (PM-JUGA) के अंतर्गत जशपुर जिले के बगीचा-मयाली-जशपुर वलस्टर में वलस्टर आधारित होमस्टे परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के माध्यम से जनजातीय अंचल के गांवों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के साथ-साथ स्थानीय परिवारों को पर्यटन गतिविधियों से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। परियोजना के तहत किंकेल, कमतरा, डंगरी, महनई, सरुधाप और पंडरापाठ सहित 6 जनजातीय गांवों में कुल 30 नए होमस्टे विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक गांव में 5 होमस्टे तैयार किए जाने का प्रस्ताव है। इस वलस्टर के विकास पर लगभग 1.80 करोड़ रुपये व्यय प्रस्तावित है।



इसमें होमस्टे निर्माण के साथ गांव स्तर पर आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं के विकास का भी प्रावधान किया गया है। पर्यटक जशपुर को सिर्फ देखेंगे नहीं, यहां के जीवन को भी अनुभव करेंगे

यह परियोजना पारंपरिक होटल आधारित पर्यटन से आगे बढ़कर कम्यूनिटी बेस्ड को प्रोत्साहित करेगी। होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के बीच रहकर जशपुर की जनजातीय संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ

स्थानीय परिवारों तक पहुंचेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित होमस्टे स्थानीय परिवेश और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक गांव में सामुदायिक स्तर की सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपये तक के कार्य प्रस्तावित हैं। इन सुविधाओं से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलने के साथ गांवों में सामूहिक उपयोग की आधारभूत सुविधाएं भी विकसित होंगी। प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों से जुड़ेगा होमस्टे वलस्टर

वलस्टर का चयन क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रस्तावित गांव बगीचा और जशपुर नगर के साथ-साथ कैलाश गुफा, खुडियारानी गुफा, बादलखोल अभयारण्य, रानीदाह जलप्रपात, देशदेखा पहाड़, लोरोघाट सहित अनेक प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के निकट स्थित हैं। होमस्टे सुविधा विकसित होने से पर्यटकों के लिए इन क्षेत्रों में ठहरने के बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे।

पारंपरिक खेती के साथ मछली पालन बन रहा अतिरिक्त आमदनी का मजबूत जरिया

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांव, गरीब और किसान को सशक्त बनाने के विजय के अनुरूप, केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। धान की पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर जिले के करीब 150 किसान अब मछली पालन, हैचरी और पाउंड लाइनर जैसी आधुनिक गतिविधियों के जरिए अपनी आय और आजीविका के नए रास्ते तैयार कर रहे हैं। सरकारी अनुदान और बुनियादी सुविधाओं के विकास से ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार और रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। बिरकोनी के दिनेश चन्द्राकर बने मिसाल

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने आधुनिक तकनीकों, वित्तीय सहायता और अनुदान के जरिए देश के हजारों किसानों और मछली पालकों की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। पारंपरिक खेती में बढ़ती लागत से परेशान होकर बिरकोनी निवासी बहूती लागत ने मछली पालन की तरफ कदम बढ़ाया। योजना के तहत उन्होंने करीब 7.50 लाख रुपए की लागत से एक हेक्टेयर में तालाब खुदवाया और 14 लाख रुपए की लागत से 20 हजार वर्गफुट में मछली हैचरी स्थापित की।



उत्पादन और कमाई- हैचरी में तैयार बच्चे तालाब में डाले जाते हैं, जिससे 8 से 9 महीने में लगभग 15 टन मछली तैयार हो जाती है। 70 से 80 रुपए प्रति किलो की लागत आने के बावजूद बाजार में 120 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक्री होने से उन्हें बेहतरीन मुनाफा मिल रहा है। ग्राम बकमा के हिमांशु चंद्राकर को मिला स्थायी जरिया- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तालाब निर्माण, बायोप्लॉक यूनिट, मछली बीज हैचरी, कोल्ड स्टोरेज और फीड प्लांट जैसी परियोजनाओं के लिए सहायता दी जाती है। ग्राम बकमा के किसान हिमांशु चंद्राकर ने लगभग 28 लाख रुपए की लागत से दो पाउंड लाइनर यूनिट तैयार कराई। सरकार से 60 प्रतिशत अनुदान

मिलने के बाद, सभी खर्च काटकर उन्हें सालाना 3 से 4 लाख रुपए की शुद्ध बचत हो रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और मजदूरों को मिल रहा सबल- मछली पालन से केवल यूनिट संचालकों ही नहीं, बल्कि स्थानीय मजदूरों को भी बड़ा लाभ मिला है। बिरकोनी के मजदूरों का कहना है कि अब उन्हें काम की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ता, बल्कि गांव में ही सालभर नियमित रोजगार मिल रहा है। करीब 9 हजार रुपए प्रतिमाह की आय से उनके परिवारों का जीवनयापन बेहद आसान हो गया है। योजना के मुख्य बिंदु और प्रावधान-बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नए तालाबों का निर्माण, बायोप्लॉक यूनिट, हैचरी, कोल्ड स्टोरेज और मछली दाना निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 60 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 40 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाता है। धान की पारंपरिक खेती पर निर्भर महासमुंद के किसानों के लिए अब मछली पालन आत्मनिर्भरता, समृद्धि और विकास का एक नया प्रतीक बन चुका है।

सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जीपीएम में जगमगाएंगे 2 लाख आशीर्वाद के दीये

-17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

-पेंड्रा में जिला स्तरीय आयोजन के साथ ग्राम पंचायतों, अमृत सरोवरों और घर-घर होगा दीप प्रज्वलन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान में जिलेभर में विविध जनकल्याणकारी, सामाजिक और जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रथम दिवस 17 सितंबर को जिले में शाम 7 बजे 2 लाख आशीर्वाद के दीये प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया

है। इस अवसर पर मल्टीपर्स स्कूल मैदान पेंड्रा में जिला स्तरीय दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां 11 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। यह आयोजन सेवा, संकल्प और जनभागीदारी की भावना का भव्य प्रतीक बनेगा। जिले के विभिन्न स्थानों पर भी एक साथ प्रज्वलित होंगे दीये जिला स्तरीय आयोजन के साथ ही गौरैला पेन्ड्रा मरवाही जिले के तीनों जनपद पंचायत क्षेत्रों में भी जनभागीदारी के साथ दीप प्रज्वलन किया जाएगा। मरवाही जनपद पंचायत की 10, गौरैला जनपद पंचायत की 8 और पेंड्रा जनपद पंचायत की 7 चयनित ग्राम पंचायतों में 25 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही पेंड्रा स्थित दुर्गा सरोवर, जिले के सभी अमृत सरोवरों, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों, महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों, बिहान समूह की महिलाओं तथा सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इस सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से जिले के गांवों से लेकर शहरों तक सेवा और



जनभागीदारी का संदेश पहुंचाया जाएगा। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को बेहतर आपसी समन्वय के साथ अभियान के लिए निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सभी कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनभागीदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने अभियान की सभी पहलों की समय पर तैयारी पूरी करने और निर्धारित

दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों और आयोजित गतिविधियों की फोटो एवं वीडियो सहित जानकारी निर्धारित गृवाल ड्राइव में नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि अभियान की गतिविधियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और संधारण सुनिश्चित किया जा सके।

जनभागीदारी से सफल होगा सेवा संकल्प अभियान

हर गांव और हर नागरिक तक पहुंचे सेवा और सुशासन का संदेश - मंत्री श्री बघेल अभियान से जुड़ेगा हर वर्ग, योजनाओं की मिलेगी जानकारी

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सुरजपुर जिले के प्रभारी। मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।



मंत्री श्री बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनभागीदारी के साथ सेवा संकल्प अभियान को जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत, हर नागरिक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर

आयोजित होने वाले इस अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कहानी बदलाव की को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों को बताएं कि पहले परिस्थितियां कैसी थीं और आज

विकास एवं जनकल्याण की दिशा में क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही अभियान की सार्थकता है।

मंत्री ने पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ ही आगनबाड़ी केंद्रों में भी बेहतर एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। आगनबाड़ी कार्यक्रमों के सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान सरकार,आपके द्वार सहित जनहित से सहित कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत,सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि सभी कार्यक्रमों को भव्य, गरिमामय एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाएं, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे।

स्वास्थ्य/विज्ञान

चार्जिंग रूल से लेकर ओवरनाइट चार्जिंग तक, फ़ोन की बैटरी हेल्थ

[illegible]

वजन कम करने से डायबिटीज और फैटी लिवर में मिल सकता है



हेल्थ डेस्क । आज के समय में बढ़ता मोटापा और पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। इनमें टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर प्रमुख विशेषज्ञों के मुताबिक, शरीर का वजन कम करने से इन दोनों स्थितियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। खास बात यह है कि इसके लिए हमेशा बहुत ज्यादा वजन घटाने की जरूरत नहीं होती। शरीर के कुल वजन का 5 से 10 प्रतिशत कम करना भी ब्लड शुगर कंट्रोल और लिवर की सेहत में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

पेट की चर्बी क्यों बनती है पेशानी की वजह शरीर में अतिरिक्त चर्बी केवल तब के नीचे ही जमा नहीं होती, बल्कि यह पेट के अंदरूनी हिस्सों के आसपास और लिवर, मांसपेशियों तथा अनाशय जैसे अंगों पर भी असर डाल सकती है। विशेष रूप से पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी शरीर में इंसुलिन रजिस्ट्रेस को बढ़ा सकता है।

इंसुलिन रजिस्ट्रेस की स्थिति में शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाती। इसके कारण ब्लड

शुगर बढ़ने लगता है और समय के साथ टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। इसी मेटाबोलिक समस्या का संबंध फैंटी लिवर से भी देखा जाता है। वजन कम होने पर शरीर में जमा अतिरिक्त फैट धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसका असर फैवल शरीर के वजन या कमर के आकार पर ही नहीं पड़ता, बल्कि मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर भी हो सकता है।

इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार होता है। ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। लिवर में जमा अतिरिक्त फैट कम हो सकता है। शरीर में शुगर से जुड़े कुछ बदलाव कम हो सकते हैं। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसे अन्य मेटाबोलिक जोखिम कारकों में भी सुधार हो सकता है। हालांकि, हर व्यक्ति में परिणाम एक जैसे नहीं होते और वजन घटाने की मात्रा के साथ-साथ डाइट, एक्सरसाइज, नींद और दवाओं जैसे कई अन्य कारक भी



महत्वपूर्ण होते हैं। फैटी लिवर में वजन घटाना वयों जरूर फैटी लिवर में लिवर की कोशिकाओं में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने लाता है। शुरुआती अवस्था में कई लोगों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते लेकिन कुछ लोगों में यह समस्या आगे बढ़कर लिवर में सूजन और फिर प इब्रोसिस जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। गंधीर मामलों में लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचने पर सिर्रोसिस का खतरा भी



हो सकता है। इसलिए फेटी लिवर की पहचान होने के बाद वजन, खान-पान और शारीरिक गतिविधियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण माना जाता है।

वजन कम होने पर लिवर में क्या बदलाव आते हैं जब शरीर का अतिरिक्त वजन कम होता है, तो लिवर में जमा फैट भी कम हो सकता है। इससे कुछ मरीजों में लिवर से जुड़े एंजाइम और मेटाबोलिक स्वास्थ्य में सुधार देखा जा सकता है। विशेषज्ञों के

अनुसार, वजन कम करने का फायदा इस बात पर भी निर्भर करता है कि व्यक्ति को केवल लिवर में फैट जमा है या उसके साथ सृजण और फाइब्रोसिस भी मौजूद है। इसलिए फैटी लिवर वाले व्यक्ति को कम वजन देकर अपनी बीमारी की गंभीरता को अनुमान नहीं लगाना चाहिए। डॉक्टर जरूरत पड़ने पर लिवर फंक्शन टेस्ट अल्ट्रासाउंड या अन्य जांच की सलाह दे सकते हैं। डायबटीज में भी वजन घटाने का असर डायबटीज में शरीर इंसुलिन का प्रभावी तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता अधिक वजन और विशेष रूप से पेट की अतिरिक्त चर्बी इंसुलिन रजिस्ट्रेंस को बढ़ा सकती है। ऐसे लोगों में वजन कम करने से शरीर इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप ब्लड शुगर और नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। कुछ लोगों में पयास व कम होने के बाद डायबटीज की दवाओं की जरूरत भी बदल सकती है। हालांकि, इसका फैसला डॉक्टर ही करना है। वजन कम करने का मतलब भूखे रहना नहीं वजन कम करने के लिए बहुत कम खाना।

हर वक्त थकान और सुस्ती से हैं परेशान रोज करें ये 4 योगासन शरीर रहेगा एक्टिव और बढ़ेगा फोकस



हेल्यथ डेस्क। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लगातार काम का दबाव, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना, कम शारीरिक गतिविधि और तनाव लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे में कई लोग पर्याप्त नींद लेने और खान-पान का ध्यान रखने के बावजूद दिनभर थकान, सुस्ती और कमजोरी महसूस करते हैं। इसका असर ऑफिस से काम से लेकर पढ़ाई और रोजमर्रा की गतिविधियाँ तक पर पड़ सकता है।

कई बार थकान दूर करने के लिए लोग बार-बार चाय, कॉफी या पनजी ड्रिंक का सहारा लेते हैं। इनसे कुछ समय के लिए तर्कतत्ता मरुसु हो सकती है, लेकिन इन्हें लगातार थकान का स्थायी समाधान नहीं मा सकता। ऐसे में नियमित शारीरिक गतिविधि और योग को दिनचर्या में शामिल करना मददगार हो सकता है। अगर आप भी दिनभर शरीर को एक्टिव रखने, तावा कम करने और फोकस बेहतर करने के लिए एक प्राकृतिक तरीका तलाश रहे हैं, तो रोजाना कुछ आसान योगासन किए जा सकते हैं। हालांकि, लगातार या बहुत ज्यादा थकान किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकती है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सुबह के समय सूर्य नमस्कार शरीर को सक्रिय करने वाली योग क्रियाओं से एक है। इसमें शरीर के कई हिस्सों और मांसपेशियों की गतिविधि शामिल होती है। नियमित अभ्यास से शरीर में तवीलापन बनाएफर रखने और शारीरिक सक्रियता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सुबह अनीक्षमता के अनुसार सूर्य नमस्कार के कुछ राउंड से शुरुआत की जा सकती है। शुरुआत में कम राउंड करें और धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं। अगर तबे



समय से एक्ससाइज नहीं की है, तो शरीर से बचें। शरीर को सक्रिय रखने में मदद करने के लिए योगों की गतिशीलता बेहतर करने में सहायता करती है। लचीलेपन में सुधार ला सकता है। नियमित करने से बेहतर करने में मदद कर सकता है। रक्त प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए योग को एक अच्छा विकल्प माना जाता है। योग करने से मानसिक रूप से भी तरोताजा महसूस हो सकता है। सुधार में योगी पंथक तब समय तक ऑफिस में काम करने में सक्षम हो सकता है। योग प्रभावित हो सकता है। ऐसे में ताडासन एंड



अचानक ज्यादा दबाव डालने
सकता है। मांसपेशियों और
क हो सकता है। शरीर के
शरीरक गतिविधि के रूप में फि
की दिनचर्या में इसे शामिल
स हो सकता है। ताड़ासन से
कुर्सी पर बैठकर काम करने
ल करने से शरीर का पॉश्चर
आसान योगासन है, जिसमें

क्या शिंग्रिक्स वैक्सीन हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर का खतरा



हेल्थ डेस्क । दुनियाभर में हृदय रोग मृत के प्रमुख कारणां में शामिल हैं। बदलती जीवनशैली, खराब खान-पान, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान और तनाव जैसे कई कारणों से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सका है। चिंता की बात यह है कि अब कम उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक और हृदय संबंधी गंभीर समस्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में दिल की बीमारियों से बचाव को लेकर लोगों के मन में कई सवाल रहते हैं। क्या खान-पान और एक्सरसाइज के अलावा कोई वैकल्पिक भी हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में भूमिका निभा सकती है , हालाँया शोध में शिंगल्स से बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाली शिगिपल्स वैकल्पिक और हृदय संबंधी घटनाओं के बीच संभावित संबंध सामने आया है हालांकि, विशेषज्ञों की एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है- शिगिपल्स हार्ट अटैक से बचाव के लिए बनी वैकल्पिक नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य शिंगल्स यानी हर्पीज जोस्टर से बचाव करना है। हृदय रोगों पर इसके संभावित लाभ को लेकर सामने आए आंकड़े अभी इस बात का प्रमाण नहीं हैं कि इसे हार्ट अटैक रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। स्टडी में क्या सामने आया एक बड़े अध्ययन में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 70

हजार से ज्यादा लोगों के मेडिकल डेटा कि विशेषण किये गया और कई वर्षों तक उनका स्वास्थ परिणामों पर नजर रखी गई। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने शिपिक्स वेबसीन लापाई थी, उनमें कुछ गंभीर हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम वैक्सिन न लेने वालों की तुलना में कम देखा गया। कोरोनरी हार्ट डिजीज का जोखिम करीब 10 प्रतिशत कम देखा गया। हार्ट फैलियर का जोखिम करीब 12 प्रतिशत कम पाया गया। महिलाओं और पुरुषों दोनों में कुछ हृदय संबंधी लाभ देखने को मिले। पुरुषों में स्ट्रोक के जोखिम में भी संभावित रूपों की देखी गई। लेकिन यहां यह समझना जरूरी है कि इस तरह के अध्ययन में वेबसीन लेने और हृदय रोग का कम जोखिम आपस में जुड़ा हुआ दिखाई दे सकता है, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि

वैयसीन सीधे हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर को रोकती है। शिगल्लस एक वायरल संक्रमण है, जिसे इवर्डीन जोस्टेर भी कहा जाता है। यह उसी वायरस के देबारा सक्रिय होने से होता है, जो पहले चिकनपॉक्स का कारण बनता है। चिकनपॉक्स ठीक होने के बाद वायरस शरीर में निष्क्रिय अवस्था में रह सकता है। उम्र बढ़ने या प्रतिरक्षा क्षमता कमजोर होने जैसी परिस्थितियों में यह वायरस देबारा सक्रिय हो सकता है और शिगल्लस पैदा कर सकता है। इसमें आमतीर पर शरीर के किसी हिस्से पर दर्दनाक चकत्ते और छोटे-छोटे फफोले हो सकते हैं। कई लोगों में त्वचा के घाव ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक नसों से जुड़ा दर्द बना रह सकता है। उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता है शिगल्लस का खतरा शिगल्लस किसी भी व्यक्ति को हो

सकता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इसका जोखिम और जटिलताओं की संभावना बढ़ सकती है। कुछ मामलों में यह आंखों या कानों को प्रभावित कर सकता है और गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसी वजह से अधिक उम्र के लोगों के लिए शिग्ल्स से बचाव महत्वपूर्ण माना जाता है। शिगिवस बैक्टीरिया इसी उद्देश्य से विकसित की गई हैं। शोथकर्ताओं ने शिग्ल्स और हृदय रोगों में वीच संबंध को भी समझने की कोशिश की है। हपीज जोस्टर के दौरान शरीर में संक्रमण और सूजन से जुड़ी प्रक्रियाएं सक्रिय हो सकती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संक्रमण से जुड़ी सूजन और शरीर की प्रतिक्षा प्रक्रियाएं कुछ लोगों में रक्त वाहिकाओं और हृदय प्रणाली पर भी प्रभाव डाल सकती हैं, इस दृष्टिकोण से यह संभावना देखी जा रही है।

**देश में बढ़ रहा पलू का खतरा! खांसी-जुकाम को न करें नजरअंदाज
जानें शुरुआती लक्षण और बचाव के तरीके**



हेलथ डेस्क । बदलते मौसम, बारिश और उमस के बीच सर्दी-जुकाम, खासी और बुखार जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। कलहारा लोग इन लक्षणों को सामान्य वायरल लक्षणों के रूप में देखते हैं और अक्सर मौसम के बदलाव का असर समझाकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कुछ मामलों में यही लक्षण इन्फ्लूएंजा या निम्न स्थायी पलू संक्रमण के संकेत हो सकते हैं।

एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है, जो मुख्य रूप से ध्वनित जीवों को प्रभावित करता है। ज्यादातर लोगों में पलू के लक्षण कुछ दिनों में ठीक हो सकते हैं, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों में यह लक्षणों को संक्रमण के गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए पलू जैसी लक्षण दिखाई देने पर सावधानी बरतना और जरूरत पड़ने पर समय पर डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है।

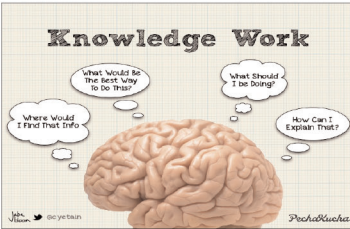
स्वाइन फ्लू का नाम सुनकर अवसर लोगों को लगता है कि यह केवल सुअरों से फैलने वाली बीमारी है। वायरस का एक प्रकार है, जो इंसानों में भी ध्वंसन संक्रमण पैदा कर सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बात करने के दौरान निकलने वाली ध्वंसन बूंदों के संपर्क से फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के बेहद करीब रहने या दूषित सतह को छूने के बाद आंख, नाक या मुँह को छाने से भी संक्रमण का जोखिम हो सकता है। सामान्य फ्लू के लक्षण काफी हद तक एक जैसे हो सकते हैं। इसलि केवल लक्षणों के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो सकता है कि किसी व्यक्ति को या कोई दूसरा वायरल संक्रमण। नाक बहना या नाक बंद होना सिरदर्द शरीर और मांसपेशियों में दर्द ठंड लगना या कंपकंपी अत्यधिक थकान और कमजोरी कुछ मामलों में उल्टी या दस्त हर मरीज में सभी लक्षण दिखाई दें, यह जरूरी नहीं है। कुछ लोगों को

बुखार न होने पर भी फल हो सकता है। ज्यादातर फल संक्रमण गंभीर नहीं होते, लेकिन कुछ लोगों में बीमारी बिगड़ सकती है। गंभीर संक्रमण में निमोनिया, सांस लेने में परेशानी और अजिंदातप हो सकती हैं। अगर सांस लेने में कठिनाई हो, सीने में लगातार दर्द या दबाव महसूस हो, बहुत ज्यादा कमजोरी या भ्रम की स्थिति हो, होठ या चेहरा नीला पड़ने लगे, या हालत तेजी से बिगड़ ली हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। बच्चों में सांस लेने में परेशानी, अत्यधिक सुस्तता, पानी की कमी या लगातार बिगड़ती हालत को भी गंभीरता से लेना चाहिए। यह वायरस मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के श्वसन स्राव के जरिए फैल सकता है। जब संक्रमित व्यक्ति खांस्ता या छींकता है, तो वायरस वाले कण आसपास के लोगों तक पहुंच सकते हैं। सारुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं। जरूरत पड़ने पर अल्कोहल-बेसड हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

गंदे हाथों से आंख, नाक और मुंह छुने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। खासतः छोटे बच्चे समग्र सावधानी रखें: टिश्यू या कोहनी का इस्तेमाल करने से पहले और इस्तेमाल किए गए टिश्यू को तुरंत सुखित तरीके से फेंकें। बीमार होने पर घर पर रहें: अगर फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो दूसरों के संपर्क से बचें। कमरे में वेंटिलेशन रखें: घर और ऑफिस में हवा का पर्याप्त आवागमन बनाए रखना उपयोगी हो सकता है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी: संक्रमण बढ़ने की स्थिति में भीड़भाड़ वाले या बंद स्थानों में अतिरिक्त सावधानी बरतें। फ्लू जैसे लक्षण होने पर दूसरों के करीब जाने समय मास्क पहनना संक्रमण फैलाने के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। विशेष रूप से अस्पताल या भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क और अन्य सावधानियां उपयोगी हो सकती हैं। हालांकि, मास्क अकेला फ्लू से पूरी सुरक्षा की गारंटी नहीं देता।



पूरब टाइम्स





हैं। इन्हीं की मदद से हम इस खूबसूरत दुनिया को देख पाते हैं। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, बढ़ता स्क्रीन टाइम और प्रदूषण के कारण आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। कई लोग आंखों की छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारी का रूप ले सकती हैं। ऐसी ही एक खतरनाक बीमारी है ग्लूकोमा (काला मोतिया), जो धीरे-धीरे आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन सकती है।



क्यों जरूरी है आंखों का ख्याल रखना?

आजकल लोग देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल करते हैं। घंटों स्क्रीन पर नजरें टिकाए रखने से आंखों पर दबाव पड़ता है। इसके अलावा धूल, धुआं और प्रदूषण भी आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर समय रहते आंखों की देखभाल न की जाए, तो ग्लूकोमा जैसी बीमारी का खतरा बढ़ सकता है।

क्या है ग्लूकोमा (काला मोतिया)?

ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जिसमें आंखों के अंदर का दबाव (आई प्रेशर) बढ़ जाता है। यह बढ़ा हुआ दबाव आंखों की ऑप्टिक नर्व (नेत्र तंत्रिका) को नुकसान पहुंचाता है। यही नर्व आंखों से मिली तस्वीरों को दिमाग तक पहुंचाती है। जब यह नर्व कमजोर होने लगती है, तो धीरे-धीरे देखने की क्षमता कम होने लगती है। सबसे खतरनाक बात यह है कि अगर समय पर इलाज न हो, तो यह बीमारी स्थायी अंधापन का कारण बन सकती है।



क्यों खतरनाक है यह बीमारी?

ग्लूकोमा की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसके शुरुआती लक्षण साफ नजर नहीं आते। कई बार व्यक्ति को लंबे समय तक कोई परेशानी महसूस नहीं होती। जब तक उसे एहसास होता है, तब तक आंखों की रोशनी काफी हद तक प्रभावित हो चुकी होती है। इसलिए इसे "साइलेंट विजन किलर" भी कहा जाता है।

ग्लूकोमा के शुरुआती लक्षण क्या हो सकते हैं?

हालांकि शुरुआती दौर में लक्षण बहुत हल्के होते हैं, लेकिन कुछ संकेत ऐसे हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। धीरे-धीरे किनारों से नजर कम होना (ब्लाइंड स्पॉट बनना), रोशनी के चारों ओर रंगीन घेरे दिखना,आंखों में दर्द या भारीपन, सिरदर्द,आंखों का लाल होना,मतली या उल्टी

जायका

परफेक्ट आलू के चिप्स बनाने के लिए जानें सही आलू का चुनाव और उबालने का तरीका

जैसे ही धूप तेज होने लगी है लोगों की छतों पर आलू के चिप्स सूखते हुए नजर आ जाते हैं। कई घरों में चिप्स-पापड़ बनने शुरु हो गए हैं। हर कोई आलू के चिप्स बनाते समय कुछ न कुछ गलती कर ही देता है। अवसर होता है कि, जब चिप्स को उबालते हैं, तो यह टूटने लगते हैं। यदि आलू कड़कस करते समय खुला छोड़ दिया जाए, तो इनका रंग सफेद से काला हो जाता है। यदि आप पहली बार आलू के चिप्स बनाने जा रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए काफी मददगार साबित होगा।



- चिप्स को काटते समय भी स्लाइस को सीधे पानी में ही गिरने दें।
- चिप्स को काटने के बाद इनमें 4 से 5 बार साफ पानी से तब तक धोएं, जब तक कि पानी बिल्कुल साफ न दिखने लगे।
- जब चिप्स को पानी में भिगोते हैं तो उस समय एक छोटा टुकड़ा फिटकरी का डाल दें।
- फिटकरी इस्तेमाल करने से आलू की सारी गंदगी और अतिरिक्त स्टार्च को खींच लेती है।

आलू के चिप्स उबालने का सही तरीका क्या है?

- आलू को पानी से निकलने के बाद एक बड़े भगोने में पानी उबालें और इसमें नमक मिलाएं।

- जब पानी उबलने लगे, तब चिप्स डालें। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि चिप्स को लेवल 70% से 80% ही पकाना है।
- अगर आप इन्हें पूरी तरह गला देंगी तो, तो फैलाते समय ये टूट सकते हैं। चिप्स अच्छी तरह तैयार हुए हैं या नहीं, इसकी जांच करने के लिए एक टुकड़ा लें और उसे अपने नाखून से हल्का दबाकर देखें। अगर वह सख्त और कुरकुरा महसूस हो, तो समझिए चिप्स ठीक से बन गए हैं।
- यदि यह आसानी से कट रहा है लेकिन मैश नहीं हो रहा, तो उसे तुरंत छान लें।
- फिर आप चिप्स को धूप में एक-एक करके फैलाएं।
- इस बात का ध्यान रखें कि, इन्हें सुबह जल्दी फैलाएं, जिससे पूरे दिन की तेज धूप इन्हें अच्छे से सुखा दे और ये लंबे समय तक खराब बिल्कुल भी न हो।

चिप्स बनाने के लिए

किस तरह के आलू चुनें?

अगर आप आलू चिप्स बनाने जा रहे हैं, तो सही आलू का चुनाव करना बहुत ही जरूरी होता है। यह एकदम सच है कि चिप्स अच्छे तभी बनेंगे जब आलू का सही चयन किया गया हो।
- चिप्स बनाने के लिए हमेशा पुराने आलू का चुनाव करें।
- दरअसल, नए आलू में स्टार्च अधिक होता है, जिससे चिप्स काले या लाल पड़ जाते हैं।
- आलू बड़े साइज के और बिना दाग-धब्बे वाले होने चाहिए।

आलू का चिप्स बनाने का आसान तरीका

- आलू को छीलने के बाद तुरंत ही इसे पानी से भरे बर्तन में डालें।

केले के छिलके इस्तेमाल करने के 10 स्मार्ट तरीके

केले के छिलके में कई छिपे हुए गुण होते हैं। ये सिर्फ खाना पकाने में ही नहीं, बल्कि घर की सफाई, स्किन केयर और पौधों की देखभाल में भी बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसलिए अगली बार केले का छिलका फेंकने से पहले, इसके 10 स्मार्ट घरेलू इस्तेमाल जरूर जान लें।
शाकाहारी "पुल्ड पोर्क" का विकल्प-केले के छिलकों की बनावट ऐसी होती है कि जब इन्हें अच्छी तरह साफकरके बारीक काटा जाता है और मसालों के साथ भून लिया जाता है, तो ये बिल्कुल शाकाहारी "पुल्ड पोर्क" जैसा रेशेदार टेक्सचर देने लगते हैं। इनका स्वाद मसालों और सांस को बहुत अच्छे से सोख लेता है, जिससे टैकोस, सैंडविच या रेसप में भरने पर यह डिश बेहद स्वादिष्ट और अनोखी लगती है।
फ्राई और करी में करें इस्तेमाल-केले के छिलकों को अच्छी तरह धोकर पतले-पतले टुकड़ों में काट लिया जाए तो इन्हें स्टिर-फ्राई या नारियल आधारित करी में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। भूनें पर ये नरम हो जाते हैं और लहसुन, अदरक, सोया सांस या करी पेस्ट जैसे मसालों का स्वाद अच्छी तरह अपने अंदर सोख लेते हैं, जिससे सब्जी का स्वाद और टेक्सचर दोनों ही बेहतर हो जाते हैं।
स्मूदी और केले की ब्रेड में मिलाएं-स्मूदी या केले की ब्रेड बनाते समय यदि थोड़ी मात्रा में केले के छिलके मिला दिए जाएं, तो इससे फाइबर की मात्रा बढ़ जाती है और स्वाद पर भी कोई खास असर नहीं पड़ता। खासतौर पर भूरे या थोड़े पके हुए छिलके ज्यादा नरम होते हैं, जिन्हें ब्लेंडर आसानी से पीस



लेता है और वे मिश्रण में अच्छी तरह घुल जाते हैं।
मांस को सूखने से बचाएं-रस्ते कुकर में चिकन या पोर्क पकाते समय अगर उसमें एक या दो केले के छिलके डाल दिए जाएं, तो मांस सुखता नहीं है और उसकी नमी बनी रहती है। इससे मांस ज्यादा रसदार बनता है और उसमें हल्की-सी प्राकृतिक मिठास भी आ जाती है, जबकि केले का अलग स्वाद महसूस नहीं होता।
त्वचा को हाइड्रेट करें-केले के छिलके का अंदरूनी हिस्सा सीधे त्वचा पर हल्के हाथों से रगड़ने से त्वचा को प्राकृतिक नमी मिलती है। इसमें मौजूद पोटेशियम और पानी की मात्रा रूखी और बेजान त्वचा को राहत देने में मदद करती है, जिससे त्वचा ज्यादा मुलायम और प्रेक्षा महसूस होती है।
तनावग्रस्त त्वचा को शांत करें-केले के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तनावग्रस्त और थकी हुई त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। इसके लिए छिलके के अंदरूनी हिस्से को चेहरे या प्रभावित हिस्से पर 5 से 10 मिनट तक लगाकर रखें और फिर ठंडे पानी से धो लें, इससे त्वचा को ठंडक और आराम महसूस होता है।
कूड़ेदान की दुर्गंध दूर करें- कूड़ेदान की बदबू से बचने के लिए कटे हुए केले के छिलकों को कूड़ेदान के नीचे या लाइनर के नीचे रख दिया जाए, तो ये दुर्गंध को सोखने में मदद करते हैं। इससे कूड़ेदान से आने वाली तेज बदबू कम होती है और आसपास का माहौल कुछ हद तक ताजा बना रहता है।

सिंगल मां के बच्चे को पिता का सरनेम और जाति रखने के लिए नहीं कर सकते पेरेंट्स

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक 12 साल की लड़की की अर्जी पर कहा कि जिसे सिर्फ उसकी मां ने पाला है, उसे सिर्फ इसलिए अपने पिता का नाम, सरनेम और जाति रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता क्योंकि फॉर्मेट में इसकी जरूरत थी। यह बात उसने स्कूल रिकॉर्ड में अपना नाम ठीक करने और जाति की एंट्री ‘मराठा’ से ‘शेडयूल्ड कास्ट’ करने की अर्जी पर कही। हाईकोर्ट का कहना है कि "बच्चे की नागरिक पहचान के लिए एक सिंगल मां को पूरा पेरेंट मानना कोई दान का काम नहीं है; यह संवैधानिक वफ़ादारी है। बच्चे की पब्लिक पहचान को लेकर कोर्ट ने कही ये बात कोर्ट ने आगे कहा- "एक समाज जो डेवलप होने का दावा करता है, वह इस बात पर जोर नहीं दे सकता कि बच्चे की पब्लिक पहचान उसके पिता से जुड़ी हो, जो बच्चे की जिंदगी से गायब हो जबकि मां जो बच्चे की परवरिश का पूरा बोझ उठाती है, एडमिनिस्ट्रेटिव तौर पर सेकेंडरी बनी रहे। राज्य के फॉर्मेट नैतिक फैसले नहीं बनने चाहिए; उन्हें भलाई का सही जरिया बनना चाहिए।" पिछले साल स्कूल अधिकारियों ने सेकेंडरी स्कूल कोड का हवाला देते हुए बच्चे की रिक्रेस्ट रिजेक्ट कर दी थी और कहा था कि ऐसा सुधार ठीक नहीं है।

बेटी को अकेले संभाल रही है मां

बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच के जस्टिस विभा कंकनवाडी और एच एस वेनेगावकर ने 2 फ़रवरी के फैसले में कहा- "स्कूल रिकॉर्ड कोई प्राइवेट नोट नहीं है यह एक पब्लिक डॉक्यूमेंट है जो सालों, इंस्टीटयूशन और कभी-कभी प्रोफेशनल डोमेन में भी बच्चे के साथ रहता है।" अगर लिख्ड गार्डियनशिप मैटरनल है तो रिकॉर्ड रूटीन के तौर पर पिता की



विजिबिलिटी पर जोर नहीं दे सकता और फिर इसे एडमिनिस्ट्रेटिव न्यूट्रैलिटी कह सकता है।" HC ने कहा कि बच्चे की मां सिंगल पेरेंट और उसकी नेचुरल गार्डियन है। मां ने बच्चे के पिता पर सेक्सुअल असॉल्ट का आरोप लगाया था। स्कूल रिकॉर्ड को लेकर बच्चों को किया जाता है परेशान नाबालिग और उसकी मां दोनों पिटीशनर ने कहा कि "स्कूल रिकॉर्ड में पिता का नाम और सरनेम जारी रहने से न सिर्फ एक गलती होती है, यह एक बच्चे के लिए एक ऐसी सोशल कमजोरी पैदा करता है जिससे बचा जा सकता है, जिसे बढ़ा होना है, सीखना है, और समाज में अपनी पहचान बनानी है जो अवसर नामों को फ़ैमिली हिस्ट्री की पहचान के तौर पर देखते हैं।"जस्टिस वेनेगावकर के लिखे फ़ैसले में कहा गया- "एडमिनिस्ट्रेटिव रजिस्टर वेल्फेयर और गर्वनंस में मदद के लिए फैक्ट्स रिकॉर्ड करने के लिए होते हैं; उनका मकसद बदले हुए हालात के बावजूद पहचान को फॉसिलाइज करना नहीं है..."

महाराष्ट्र ने उठाया बड़ा कदम

HC ने कहा कि महाराष्ट्र में, राज्य ने हाल के सालों में, सरकारी डॉक्यूमेंटेशन में पहचान के एक जरूरी हिस्से के तौर पर मां की पहचान को इंस्टीटयूशनल पहचान देने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। इसने 14 मार्च, 2024 के सरकारी प्रस्ताव (GR) का ज़िक्र किया, जिसमें कहा गया है कि स्कूल और दूसरे डॉक्यूमेंट्स सहित सरकारी रिकॉर्ड में मां का नाम जरूरी तौर पर शामिल किया जाना चाहिए। GR में यह भी माना गया है कि जहां कस्टडी मां को दी जाती है जैसे, तलाक के बाद वह कुछ शर्तों के साथ, पिता के नाम की जगह मां का नाम रखकर बच्चे का नाम रिकॉर्ड करने की रिक्रेस्ट कर सकती है।

ज्योतिष उपाय- क्या काले चने से शनि दोष होगा दूर?

भारतीय संस्कृति में भोजन सिर्फ शरीर को पोषण देने का माध्यम नहीं है, बल्कि इसे ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने का साधन भी माना गया है। ज्योतिष के अनुसार, काले चने का सीधा संबंध न्याय के देवता शनिदेव से माना जाता है। मान्यता है कि सही विधि से काले चने का सेवन और दान करने से न केवल शनि की साढ़ेसाती और ढ़ैर्या का प्रभाव कम होता है, बल्कि व्यक्ति के जीवन में स्थिरता और अनुशासन भी आता है।



काले चने और शनिदेव का क्या है संबंध?

शनिदेव को काले रंग की वस्तुएं अत्यंत प्रिय हैं। स्कंद पुराण में भी शनिदेव के स्वभाव और प्रभाव का विस्तार से वर्णन मिलता है। सूर्य देव के पुत्र शनिदेव को काले तिल, काले चने और लोहे जैसी कठोर वस्तुएं पसंद मानी जाती हैं। जिस प्रकार तांत्रिक क्रियाओं में काले तिल का महत्व होता है, उसी तरह सात्विक और सरल उपायों में काले चने को कर्म सुधारक और शनि दोष शांत करने वाला उपाय माना जाता है। काले चने का नियमित प्रयोग व्यक्ति में धैर्य, सहनशीलता और अनुशासन जैसे गुणों को बढ़ाता है, जो शनिदेव के प्रभाव से जुड़े माने जाते हैं।

शनि की साढ़ेसाती और ढ़ैर्या में क्यों असरदार है काला चना?

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जब कुडली में शनि की साढ़ेसाती, ढ़ैर्या या महादशा चल रही हो, तब व्यक्ति को मानसिक तनाव, आर्थिक रुकावट और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में काले चने का सही विधि से सेवन और दान शनि के कठोर प्रभाव को कम करने में सहायक माना जाता है। यह उपाय विशेष रूप से शनिवार के दिन प्रभावशाली माना गया है।

सेहत के लिए काले चने के फ़ायदे

आयुर्वेद में काले चने को एक सुपरफूड माना गया

है। यह आयरन, प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। शरीर में ऊर्जा और ताकत बढ़ाता है,हड्डियों और जोड़ों को मजबूत करता है, वात दोष को संतुलित करता है, थकान, कमजोरी और मानसिक तनाव में राहत देता है, ज्योतिष के अनुसार, शनि का संबंध शरीर के वात दोष और हड्डियों से होता है। ऐसे में काले चने का सेवन शनि से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में भी लाभकारी माना जाता है।

शनि दोष से राहत पाने के सरल ज्योतिष उपाय

अगर आप शनि की साढ़ेसाती, ढ़ैर्या या महादशा से गुजर रहे हैं, तो यह उपाय आपके लिए लाभकारी हो सकता है। प्रत्येक शनिवार को काले चने का सेवन करें काले चनों को नमक वाले पानी में उबाल लें उबले चने शनिदेव को अर्पित करें इसके बाद जरूरतमंदों को दान करें सेवन या दान के समय "ॐ शं शनैश्चर्या नमः" मंत्र का जाप करें मान्यता है कि इससे शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। काला चना न सिर्फ सेहत के लिए फ़यदेमंद है, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे शनि दोष शांत करने वाला सरल और सात्विक उपाय माना गया है।

मनमोहक नजारों और रोमांचक ट्रेक के लिए ये 3 Trekking Peaks हैं परफेक्ट

आजकल घूमने-फ़िरने का शौक लोगों में बढ़ता ही जा रहा है। ऑफ़ि्स की थकान के बाद लोग लंबी ट्रिप पर जरूर जाते हैं। जैसे ही किसी को मौका मिलता है ट्रिप पर निकल जाता है। कोई पहाड़ पर जाना पसंद करता है, तो कोई बीच पर सुकून भरे पल बिताने के लिए जरूर जाता है। कहते हैं घूमने से मन को शांति काफी मिलती है। हमारे यहां भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जहां पर नजारा देखने के लिए जीवन में एक बार जरूर जाना चाहिए। जिन लोगों को एडवेंचर पसंद होता है,वो ट्रेकिंग पर जरूर जाते हैं।

जब हम बात करते हैं कि भारत की सबसे खूबसूरत चोटियों की, तो लोगों के मन में सिर्फ उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश का ख्याल आता है। यह दोनों राज्य वाकई काफी खूबसूरत है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी चोटियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप ट्रेकिंग के लिए जरूर जाएं।



कलसूबाई पीक, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में कई खूबसूरत जगहें, जहां पर आपको जरूर जाना चाहिए। नासिक जिले में स्थित कलसूबाई पीक दुनिया के सबसे खूबसूरत पीक में

से एक है। यह लगभग 5400 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इसकी ट्रेकिंग बरी के बेस गांव से शुरू होती है, जहां जाने के लिए लोहे की सीढ़ियां, एडवेंचर ट्रेक करके पहुंचा जा सकता है। जब आप इस जगह के पीक पर



पहुंचेंगे तो वहां पर आपको मनमोहक नजारे आपका दिल लूट लेंगे।

नेत्रावती पीक,

कर्नाटक

यह शिखर कर्नाटक राज्य की सबसे सुंदर चोटियों में से एक माना जाता है। इसकी चोटी तक पहुंचने के लिए लगभग 6 किलोमीटर की ट्रेकिंग करनी पड़ती है। इस सफ़र के दौरान रास्ते भर आपको पहाड़ों पर फैली हरियाली और मनमोहक दृश्य देखने को मिलते हैं। जब आप शिखर पर पहुंचते हैं, तो चारों

कूलकुमलाई पीक, तमिलनाडु

ये पीक दक्षिण भारत यानी के तमिलनाडु में स्थित है। इसकी ट्रेकिंग की शुरुआत इडुक्कि जिले से होती है। यहां का साइनराइज का नजारा देखने लायक होता है। यदि आप सूर्योदय का खूबसूरत नजारा देखना चाहती हैं तो सुबह 3 बजे आपको निकलना पड़ेगा।



शाहरुख खान ने कन्फर्म किया है कि ‘किंग’ दिसंबर 2026 में कई बड़ी फिल्मों के रिलीज़ होने के बावजूद टलेगी नहीं



बॉलीवुड के ‘किंग’ यानी शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म ‘किंग’ (King) को लेकर पिछले कुछ दिनों से मीडिया और सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें उड़ रही थीं। कहा जा रहा था कि दिसंबर 2026 में हॉलीवुड की कई बड़ी मेगा-बजट फिल्मों के टकराव के कारण ‘किंग’ की रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, अब खुद शाहरुख खान ने इन सभी खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर अपने महशूर #AskSRK सेशन के दौरान सुपरस्टार ने स्पष्ट किया कि ‘किंग’ पूर्व निर्धारित तिथि 24 दिसंबर 2026 को ही दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देगी।

SRK ने ‘किंग’ की रिलीज डेट कन्फर्म की जब एक फैन ने शाहरुख खान से पूछा कि उनकी पिछली तीन फिल्में तीन साल पहले रिलीज हुई थीं, तो उन्होंने जवाब दिया, फ्रअरे, इस तस्वीर को देखो! मैं बेचैन नहीं हूँ, मैं एक अच्छी फिल्म बना रहा हूँ... ताकि दिल को सुकून मिले... सब कुछ आ जाएगा... 24 दिसंबर से पहले!K

SRK ने ‘किंग’ के ट्रेलर का हिंट दिया जब पूछा गया कि ‘किंग’ का ट्रेलर कब रिलीज होगा, तो शाहरुख खान ने लिखा, "अभी सिर्फ बात करूंगा, ट्रेलर बाद में... फिल्म में अभी 100 दिन बाकी हैं ना... 24 दिसंबर, ब्रो!"

एक और फैन ने उनसे ‘किंग’ के टीजर और पोस्टर के बारे में पूछा। एक्टर ने जवाब दिया, "सिड तो बेचारा लगा हुआ है। थोड़ा समय लग रहा है... हम अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रहे हैं ताकि आप सभी इसे एनर्जी करें और #King के साथ गर्व और खुशी महसूस करें!"

‘किंग’ से जुड़ी कुछ खास बातें सिद्धार्थ आनंद और सुजॉय घोष के निर्देशन/प्रोडक्शन में बन रही फिल्म ‘किंग’ कई मायनों में बेहद खास है:

सुहाना खान का डेब्यू: इस फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे।

किंग खान का किरदार: रिपोर्टर्स की मानें तो फिल्म में शाहरुख खान एक खतरनाक अंडरवर्ल्ड डॉन और मेंटर के किरदार में दिखाई देंगे।

अभिनेता गौरव खन्ना ने स्वास्थ्य कारणों और बाजू की चोट के चलते खतरों के खिलाड़ी 15 को छोड़ने का किया फैसला

टीवी के पॉपुलर अभिनेता गौरव खन्ना ने अपनी एक्टिंग और खास अंदाज से लोगों के दिल में अपनी जगह बनाई है। वह अवसर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहते हैं। गौरव खन्ना को आखिरी बार ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में देखा गया था। स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानी के चलते वह शो से बाहर हो गए थे। हालांकि, बाद में उन्होंने रोहित शेट्टी के शो में वापसी की थी। एक्टिवेशन से पहले ही शो छोड़ने का फैसला

बीते हफ्ते ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में गौरव खन्ना ने एक्टिवेशन टास्क के बावजूद शो को बीच में छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने रोहित शेट्टी के सामने भावुक होकर बताया कि अपनी सेहत को देखते हुए वह यह मुश्किल फैसला ले रहे हैं। गौरव ने अपनी जगह रुहानिका धवन को सुरक्षित किया। उनके इस फैसले से उनके फैंस भी काफी मायूस हुए थे।

गौरव ने खुद बताया क्यों छोड़ा शो

अब गौरव खन्ना ने अपने ब्लॉग में शो छोड़ने की वजह बताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि वह शो में आगे नहीं बढ़ पाएंगे। अगर किसी स्टंट में बिजली से जुड़ी चीज होती, तो

इससे उनके बाजू का दर्द और बढ़ सकता था। उनका कहना है कि इसके बाद उनके दाएं बाजू में पूरी ताकत नहीं बचेगी।

गौरव ने बताया कि यह सब उनके लिए बहुत दर्दनाक था, लेकिन इससे भी ज्यादा दुख इस बात का था कि उन्हें इस मौके पर आकर शो छोड़ने का फैसला करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब वह शो में वापस आए थे, तब उन्हें लगा था कि अब वह इसे और नहीं सह सकते, क्योंकि आगे बढ़ना उनकी ठीक होने की प्रक्रिया में रुकावट बन सकता है।

रिकवरी के लिए नहीं लेना चाहते थे ज्यादा जोखिम

गौरव खन्ना ने शो को अलविदा कहते हुए बताया कि वह अपनी रिकवरी के दौरान ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए बहुत घ्यारा अनुभव रहा। वह आगे बढ़ सकते थे, लेकिन अपनी सेहत को



देखते हुए उन्होंने जोखिम न लेने का फैसला किया। गौरव ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षित तरीके से यात्रा करने की सलाह दी गई है।

रीचर स्टार एलन रिचसन और उनकी पत्नी कैथरीन रिचसन शादी के करीब 20 साल बाद हुए अलग

रीचर स्टार एलन रिचसन अपनी पत्नी कैथरीन रिचसन से अलग हो गए हैं। दोनों करीब 20 साल से शादीशुदा थे। एलन ने शनिवार दोपहर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी। यह खबर सामने आने के बाद अभिनेता के कई फैंस हैरान रह गए। एलन और कैथरीन की मुलाकात किशोर उम्र में हुई थी। दोनों ने साथ मिलकर जिंदगी बनाई और उनके तीन बेटे कैलम, एडन और अमोरी हैं।

एलन ने कहा- हमारा रिश्ता अब अलग तरीके से आगे बढ़ेगा
एलन ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैथरीन और उन्होंने 20 साल साथ रहने के बाद अब अपनी शादी खत्म करने का फैसला किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दोनों आगे एक अलग तरीके से एक-दूसरे के साथ रहेंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों साथ बड़े हुए, साथ मिलकर जिंदगी और परिवार बनाया। उनके तीन बेटे हैं, जो हमेशा उनकी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा रहेंगे।

बच्चों की परवरिश मिलकर करेंगे
43 साल के अभिनेता ने कहा कि इन 20 सालों की अहमियत को कोई कम नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच हमेशा प्यार और सम्मान बना रहेगा।

एलन के मुताबिक, इस समय एक-दूसरे और अपने बच्चों को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा दोस्ती, समझदारी और बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए मिलकर काम करना है। हालांकि, यह अभी साफ नहीं है कि दोनों ने आधिकारिक रूप से तलाक के लिए आवेदन किया है या नहीं।

अलग होने की वजह नहीं बताई
एलन और कैथरीन ने अपने अलग होने की कोई वजह नहीं बताई है। अब तक भी ऐसा कोई कारण सामने नहीं आया है, जिसकी वजह से दोनों ने यह फैसला लिया। अपनी पोस्ट में उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि दोनों एक-दूसरे को आगे बढ़ने और अपनी जिंदगी में बदलाव के लिए जगह देना चाहते हैं।

बैले क्लास में हुई थी पहली मुलाकात
एलन और कैथरीन की मुलाकात फ्लोरिडा में किशोर उम्र में हुई थी। दोनों पहली बार एक बैले क्लास में मिले थे। उस समय एलन 17 साल के और कैथरीन 16 साल की थीं। दोनों ने उस गर्मी में एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन बाद में अलग हो गए। इसके बाद जब कैथरीन फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में पढ़ रही थीं, तब दोनों फिर से मिले।



RCB के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की जताई इच्छा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लगातार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने के बाद, अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में वापसी के दावेदार के तौर पर उभरे हैं। 36 वर्षीय कुमार, जिन्होंने आखिरी बार 2022 में भारत के लिए खेला था, ने देश का प्रतिनिधित्व करने की अपनी इच्छा ज़ाहिर की है। कुमार ने IPL 2025 में RCB के लिए 17 विकेट लिए और नई व पुरानी, दोनों तरह की गेंदों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 2026 में अपने खेल को और बेहतर किया और 17.89 की औसत से 28 विकेट लिए; वे रिकॉर्ड तीसरी बार पर्पल कैप जीतने से बस एक विकेट दूर रह गए। RCB की लगातार वैपियनशिप जीत में उनका योगदान बहुत अहम रहा।

जतिन सफ़र के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कुमार ने कहा कि मैं कुछ साबित करने के लिए नहीं खेल रहा हूँ, लेकिन अगर मुझे फिर से भारत के लिए खेलने का मौका मिले तो मुझे खुशी होगी। मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूँ जब मैं अगली सीरीज का इंतज़ार किया करता था। उन्होंने बताया कि शुरू में उन्हें लगा था कि नेशनल टीम में उनकी वापसी जल्द ही हो जाएगी, क्योंकि उन्हें एक कॉल आया था जिससे संकेत मिला था कि उन्हें शायद अगली कुछ सीरीज में शामिल किया जा सकता है। हालाँकि, बाद में उन्हें समझ आया कि ऐसा नहीं होने वाला था।

इस स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ सीरीज तक तो ऐसा ही लगा। क्योंकि मुझे एक कॉल आया था। उन्होंने जो कहा, उसके आधार पर मुझे लगा कि शायद अगली दो सीरीज में मौका मिल सकता है। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि बात वैसी नहीं थी। इससे मुझे दुख नहीं हुआ, क्योंकि तब मुझे पता था कि क्या हो रहा है, और मैंने



इसे स्वीकार कर लिया। यह आसान नहीं था, लेकिन परिवार ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई।

कुमार ने आखिरी बार नवंबर 2022 में अं20 इंटरनेशनल फ्रॉमेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ऑस्ट्रेलिया में हुए अं20 वर्ल्ड कप के सेमीफ़इनल से भारत के बाहर होने के बाद खेली गई सीरीज के नेपियर वाले मैच में वे खेले थे। अपने करियर में उन्होंने भारत के लिए सभी फ्रॉमेंट में कुल 229 मैच खेले हैं और 29.50 की औसत से 294 विकेट लिए हैं, जिसमें सात बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

भारत के कुछ मंदिर जहां पर मनोकामना पूरी होने पर बायोडाटा, तांबे-पीतल की घंटियां, हरी लौकी चढ़ाई जाती है

मंदिर सिर्फ पूजा-पाठ का स्थान नहीं बल्कि लोक परंपरा और अनेकों मान्यताओं के लिए भी जाने जाते हैं। भारत के हर एक मंदिर की अपनी कहानी है, जो उसको अन्य मंदिरों से अलग बनाते हैं। आमतौर पर ज्यादातर मंदिरों में मन्नत पूरी होने पर फल-फूल, मिठाई, पैसा, नारियल, सोना और चांदी चढ़ाई जाती है। लेकिन कुछ मंदिर ऐसे भी हैं, जहां पर मनोकामना पूरी होने पर बायोडाटा, तांबे-पीतल की घंटियां, हरी लौकी और लकड़ी आदि चढ़ाई जाती है।

चिंतई गोलू देवता मंदिर
चिंतई गोलू देवता मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा से करीब 8 किमी दूर है। यह राज्य के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां पर गौर शैव के रूप में भगवान शिव के अवतार गोलू देवता की पूजा-अर्चना की जाती है।

गोलू देवता को न्याय का देवता भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर श्रद्धालु अपनी इच्छा और न्याय पाने के लिए कागज पर अर्जी या स्टांप पेपर लिखकर बांधते हैं। वहीं मन्नत पूरी होने के बाद श्रद्धालु भगवान को तांबे या पीतल की घंटियां अर्पित की जाती हैं। इस कारण इस मंदिर को घंटी वाला मंदिर भी कहा जाता है।

महामाया माता मंदिर
महामाया माता मंदिर राजस्थान के नागौर जिले में स्थित है। इस मंदिर को ‘ बच्चों वाली माता’ के धाम के रूप में भी जाना जाता है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां पर बच्चों को होने वाली गंभीर बीमारियों का इलाज आध्यात्मिक तरीके से होता है।

जैसे अगर किसी बच्चे को देर से बोलने की समस्या,



बोलने में तुलनापना, लकवा या गंभीर शारीरिक परेशानियां होती हैं, तो महामाया माता मंदिर के दरबार में ठीक होने की प्रार्थना की जाती है। इसके अलावा बच्चे के रोग खत्म होने पर मां को प्रसन्न करने के लिए लकड़ी का पालना अर्पित किया जाता है।

शाटन देवी मंदिर
शाटन देवी मंदिर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में स्थित है। यह मंदिर लोगों के बीच आस्था का बड़ा केंद्र है। वैसे तो इस मंदिर में हर कोई दर्शन के लिए आ सकता है। लेकिन जो लोग संतान प्राप्ति की इच्छा रखते हैं, तो उनके लिए यह मंदिर बेहद खास है। इस मंदिर की अनेकों परंपरा के अनुसार, भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर तेंदू और लौकी की लकड़ियां चढ़ाते हैं।

करणी माता मंदिर
करणी माता का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में है। यहां पर नौकरी की इच्छा रखने वालों की मनोकामना पूरी होती है। करणी माता मंदिर को लेकर धार्मिक मान्यता है कि अगर कोई जातक बार-बार नौकरी या फ़िर् इंटरव्यू में असफल हो जाता है, तो यहां पर दर्शन करने मात्र से व्यक्ति की नौकरी लग जाती है। वहीं यहां पर कई भक्त करणी माता के चरणों में सीवी भी अर्पित करते हैं, जिससे की उनकी अच्छी सी नौकरी लग जाए।

सार-संक्षेप

सऊदी अरब ने ह्तियों पर दागी मेड इन चाइना मिसाइल



सऊदी अरब ने यमन में चीन में बनी DF-15A बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की हो सकती है, क्योंकि मारिब प्रांत में मिसाइल के बुस्टर का मलबा मिलने की बात सामने आई है। खबरों के मुताबिक, यह मलबा मारिब के राधवान ज़िले में मिला है और ऑनलाइन वायरल हो रही तस्वीरों में मिसाइल के हिस्से पर छस्-15 लिखा हुआ दिखाई दे रहा है। ‘द वॉर जोन’ ने कहा कि ओपन-सोर्स एनालिस्ट्स ने इसकी पहचान DF-15 के तौर पर की है और इसे सऊदी अरब से जोड़ा है, लेकिन साथ ही यह भी साफ़ किया कि न तो मिसाइल की पहचान और न ही इसके मालिकाना हक की पुष्टि हुई है। यमन में फ़िर से बढ़े तनाव के बीच सामने आई है, जहाँ हथूी सेना और सऊदी-समर्थित यमनी सेना के बीच ज़बरदस्त लड़ाई चल रही है। ह्थियों ने सऊदी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज़ कर दिए हैं, जबकि रियाद ने हथूी ठिकानों पर हमले बढ़ा दिए हैं।

H5 Bird Flu: पालतू कुत्ते और बिल्लियों में भी संक्रमण का खतरा

सिडनी। घर में आराम से सो रही आपकी बिल्ली या आपके साथ खेलता कुत्ता-क्या उसे भी बर्ड फ़्लू हो सकता है? जवाब है, हां। हालांकि ऑस्ट्रेलिया में अभी पालतू जानवरों में एच5 बर्ड फ़्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है और ज्यादातर बिल्लियों तथा कुत्तों के लिए संक्रमण का जोखिम बेहद कम है, लेकिन दूसरे देशों में सामने आए मामलों ने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। बिल्लियों के मामले में खतरा खास तौर पर गंभीर हो सकता है। विदेशों में कुछ संक्रमित बिल्लियों की हालत इतनी तेज़ी से बिगड़ी कि कुछ ही दिनों में उनकी मौत हो गई। कुत्ते भी संक्रमित हो सकते हैं,

आतंकवाद रोधी अदालत ने ख़ैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अफ़रीदी और पीटीआई के 24 अन्य सांसदों के पासपोर्ट ब्लॉक करने के निर्देश

इस्लामाबाद। एक आतंकवाद रोधी अदालत ने राजधानी में दर्ज एक मामले के सिलसिले में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री मुहम्मद सोहेल अफ़रीदी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ (पीटीआई) के 24 अन्य सांसदों के पासपोर्ट ब्लॉक करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश अबुल हसनात मुहम्मद जुल्फ़रनैन ने सोमवार को पुलिस के अनुरोध को मंजूरी देते हुए संघीय जांच एजेंसी (एफ़्साईए) को अगले आदेश तक संबंधित लोगों के पासपोर्ट ब्लॉक रखने का निर्देश दिया। इस आदेश के दायरे में पीटीआई के वरिष्ठ नेता और नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर के अलावा शहराम खान तारकई, शाह अहमद, शेर अली अरबाब, मुहम्मद इकबाल अफ़रीदी, डॉ. अमजद अली, जुनेद अकबर, शाहिद खट्टक, जुबैर वजीर अरशद उमरजई, रज़ आलम, मियां उमर और अख़्तर खान समेत अन्य नेता शामिल हैं।



अदालत के अनुसार, उपलब्ध रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन लोगों को मामले में आरोपी बनाया गया है। जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि आरोपी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए देश से फ़रार हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ़ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं, जिनमें सरकारी संस्थानों पर हमले और आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप

शामिल हैं। अदालत ने कहा कि आरोपी उसके समक्ष पेश नहीं हुए हैं और जिन लोगों ने अंतरिम जमानत हासिल की है, उन्होंने भी अब तक जांच में शामिल होकर अपना बयान दर्ज नहीं कराया है। इसके बाद अदालत ने पुलिस के अनुरोध को मंजूरी देते हुए एफ़्साईए को अगले आदेश तक संबंधित लोगों के पासपोर्ट ब्लॉक रखने का निर्देश दिया। यह आदेश ऐसे समय आया है जब पीटीआई ने 27 सितंबर को देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया है और पार्टी के भीतर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। अफ़रीदी फ़िन्हाल प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए समर्थन जुटाने के वास्ते पंजाब के दौरे पर हैं। उन्होंने सोमवार को आरोप लगाया कि पंजाब पुलिस ने उन्हें अगवा करने की कोशिश की और बाद में उनके साथ मारपीट तथा दुर्व्यवहार करने के बाद उन्हें सड़क किनारे छोड़ दिया।

अदालत के अनुसार, उपलब्ध रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन लोगों को मामले में आरोपी बनाया गया है। जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि आरोपी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए देश से फ़रार हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ़ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं, जिनमें सरकारी संस्थानों पर हमले और आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वाा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है। अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं। स्थान- 1. नेहरु नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141 2. सेक्टर-1 अवेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

अमेरिका विदेशी विद्यार्थियों और पत्रकारों के रुकने की अवधि सीमित करने वाले नए नियमों पर लगाई अंतरिम रोक

वाशिंगटन। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने विदेशी विद्यार्थियों और पत्रकारों के अमेरिका में पढ़ाई या काम करने की समयसीमा पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम पर अंतरिम रोक लगा दी है। मैसाचुसेट्स जिला न्यायाधीश के सोमवार को आए इस फैसले से भारतीय छात्रों सहित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह आदेश नियम के लागू होने से ठीक एक दिन पहले जारी किया गया। न्यायाधीश सेलोर ने फैसला दिया कि केवल संबंधित पक्षों तक राहत को सीमित रखने के लिए समानांतर नियामक व्यवस्था बनाए रखनी होगी और बार-बार यह निर्धारित करना पड़ेगा कि कोई विशेष छात्र या संस्थान इस आदेश के दायरे में आता है या नहीं, जिससे परस्पर विरोधी फैसले आ सकते हैं। जुलाई में ट्रंप प्रशासन के जिस नियम को अंतिम रूप दिया गया था, उसमें छात्र और ‘एक्सचेंज विजिटर वीजा’ के लिए चार साल की समय-सीमा तय की गई



है। ‘एक्सचेंज विजिटर वीजा’ अमेरिका का एक प्रकार का गैर-आप्रवासी वीजा है, जो ऐसे लोगों को दिया जाता है जो शैक्षणिक, सांस्कृतिक या पेशेवर कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका आते हैं। इसके अलावा, चीन को छोड़कर अन्य देशों के पत्रकारों के वीजा के लिए 240 दिन की सीमा निर्धारित की गई थी। अब स्थगित हो चुके इस नियम के अनुसार चीन के

मीडियाकर्मियों के लिए जारी वीजा की अवधि 90 दिन की तय की गई है। ये नए नियम मंगलवार से लागू होने थे। इस नियम के तहत छात्रों और पत्रकारों को वीजा अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करने की अनुमति तो थी, लेकिन इसकी मंजूरी पूरी तरह से गृह सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के विवेक पर निर्भर थी और अवधि बढ़ाने के आवेदन के खारिज होने पर अपील करने का कोई प्रावधान नहीं था। मुख्य रूप से उच्च शिक्षा क्षेत्र और श्रमिक युनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई संगठनों ने नियम को रद्द करने का अनुरोध करते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर ने जुलाई में कहा था, ‘‘एक सामान्य पीएचडी कार्यक्रम में अमतौर पर कम से कम छह साल लगते हैं, इसलिए वीजा की अवधि घटाकर चार साल करना थोड़ा अजीब है।’’ दूसरी ओर, गृह सुरक्षा विभाग का कहना था कि ऐसा करने के धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और लोगों को वीजा अवधि से अधिक समय तक रुकने से रोकने में मदद मिलेगी।

समान नागरिक संहिता पर जदयू नेता संजय झा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पार्टी का रुख तय किया

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले ‘युद्ध अभ्यास 2026’ (Yudh Abhyas 2026) के 22वें संस्करण की शुरुआत आज से हो गई है। 15 सितंबर से 28 सितंबर तक चलने वाला यह 14 दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास कई मायनों में ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस साल के अभ्यास की सबसे बड़ी खासियत इसका भौगोलिक विस्तार है। इतिहास में पहली बार यह सैन्य अभ्यास एक साथ दो अत्यंत चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग थिएटर्स-राजस्थान के तपते रेगिस्तान और उत्तराखंड के ऊंचे बर्फ़ीले पहाड़ी इलाकों-में आयोजित किया जा रहा है। ‘युद्ध अभ्यास 2026’ में कितने सैनिक हिस्सा ले रहे हैं?-इस अभ्यास में लगभग 700 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें हर देश के 350 जवान शामिल हैं। अभ्यास का एक चरण राजस्थान के



बीकानेर के पास महाजन फ़ील्ड फ़यरिंग रेंज में हो रहा है, जहां दोनों देशों के सैनिक रेगिस्तानी हालात में लंबी दूरी तक फ़यरिंग, सटीक हमले (precision strikes), युद्धाभ्यास और संयुक्त ऑपरेशन का अभ्यास कर रहे हैं। दूसरी ओर, उत्तराखंड के औली में सैनिक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में लड़ाई, मुश्किल पहाड़ी इलाकों में ऑपरेशन, एयर मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स पर ट्रेनिंग ले रहे हैं। औली, लाइन ऑफ़ एंक्लुअल कंट्रोल

(LAC) से लगभग 95 किलोमीटर दूर है। इस साल के अभ्यास की मुख्य बात इस साल के अभ्यास की एक मुख्य बात काउंटर-ड्रोन वॉरफ़ेयर (ड्रोन-रोधी युद्ध) पर जोर देना है। भारत में पहली बार, इस अभ्यास के दौरान अमेरिका में बने ‘मोबाइल लो, स्लो, स्मॉल अनमैन्ड एयरक्राफ़्ट इंटीग्रेटेड डिफ़ेंड सिस्टम’ (MLIDS) को तैनात किया जा रहा है। यह सिस्टम दोनों सेनाओं को ड्रोन के खतरों का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें बेअसर करने की ट्रेनिंग लेने में मदद करेगा। ‘युद्ध अभ्यास’ में कमांड पोस्ट एक्ससाइज, फ़ील्ड ट्रेनिंग एक्ससाइज और कंबाइंड लाइट-फ़ायर डेमोंस्ट्रेशन जैसे चरण शामिल हैं। इसका मकसद सिर्फ़ हथियारों की ट्रेनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि कमांड, कम्युनिकेशन, फ़ायर सपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल प्रक्रियाओं में दोनों सेनाओं के बीच तालमेल को बेहतर बनाना भी है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाएं: भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर नागरिकों से घरों में दीया जलाने की अपील की है। पार्टी मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। इस दौरान देशभर में रक्तदान शिविर और विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को लोगों से अपील की कि वे 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर अपने घरों में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाएं और उनके लंबे एवं स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करें। भाजपा ने मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाने की घोषणा की है जिसके तहत जनभागीदारी, कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने और युवाओं की भागीदारी पर केंद्रित कई



कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी मोदी के जन्मदिन को ‘सेवा दिवस’ के रूप में मनाएगी नवीन ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि ‘‘जनसेवा से देशसेवा’’ प्रधानमंत्री मोदी के जीवन का मूल ध्येय रहा है और उनके नेतृत्व में भारत ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शाम छह बजे से सात बजे के बीच

अपने-अपने घरों में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाने की अपील की। नवीन ने कहा, ‘‘ मैं ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाऊंगा तथा अपने देशवासियों से भी अपील करता हूं कि आप भी ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाएं और हमारे प्रधानमंत्री की दीर्घायु एवं उनकी निरंतर सफ़लता के लिए प्रार्थना करें।’’ उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व संभालने के बाद मोदी ने ‘‘बेहद कठिन परिस्थितियों’’ का सामना किया और नयी नीतियां बनाई, नए कार्यक्रम शुरू किए तथा कई ऐसी योजनाएं लागू की, जिनसे आम लोगों के जीवन में बदलाव आया। नवीन ने कांविड महामारी के दौरान मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि देश आगे बढ़ सकता है और ‘‘चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है।’’ उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान भारत के टीकाकरण अभियान ने दुनिया को यह संदेश दिया कि देश ‘‘आत्मनिर्भर भारत’’ की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

लाल, पिंक और सफेद, क्या आप जानते हैं गुलाब के हर रंग का मतलब?

अमतौर पर लोग लाल गुलाब को प्यार का प्रतीक मानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुलाब के हर रंग का अपना अलग संदेश और भावना होती है? अगर आप भी किसी खास मौके पर सही गुलाब चुनना चाहते हैं, तो यह जानें अलग-अलग रंग के गुलाब का मतलब। लाल गुलाब –लाल गुलाब सच्चे और गहरे प्यार का प्रतीक माना जाता है। यह रोमांस, जुनून और मजबूत रिश्ते को दर्शाता है। अगर आप अपने पार्टनर से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं या प्यार का इजहार करना चाहते हैं, तो लाल गुलाब सबसे परफेक्ट चॉइस है। गुलाबी गुलाब –गुलाबी गुलाब अपनापन, केयर और तारीफ़ का प्रतीक होता है। यह दोस्ती से प्यार की शुरुआत को दर्शाता है। अगर आपका रिश्ता अभी शुरुआती दौर में है या आप किसी को खास महसूस कराना चाहते हैं, तो पिक रोज देना एक अच्छा विकल्प है। सफेद गुलाब –सफेद गुलाब शांति, सादगी और सच्चाई का प्रतीक है। यह रिश्ते में ईमानदारी और पवित्र भावनाओं को दर्शाता है। अगर आपका रिश्ता विश्वास और सच्चे इरादों पर टिका है, तो सफेद गुलाब देना बेस्ट माना जाता है। पीला गुलाब – पीला गुलाब दोस्ती, खुशी और पॉजिटिव एनर्जी का संकेत देता है। यह उन लोगों के लिए दिया जाता है जिन्हें आप दोस्त के तौर पर बेहद खास मानते हैं या जिनके साथ खुशियां बांटना चाहते हैं। बैंगनी गुलाब- बैंगनी गुलाब पहली नजर के प्यार और शाही एहसास का प्रतीक होता है। अगर आप किसी को ड्रेंस करना चाहते हैं या अपने प्यार को यूनिक अंदाज में जताना चाहते हैं, तो यह गुलाब परफेक्ट है। नारंगी गुलाब –नारंगी गुलाब जोश, उत्साह और मजबूत रिश्ते का प्रतीक होता है। यह बताता है कि आप सामने वाले की एनर्जी और पर्सनैलिटी से बेहद प्रभावित हैं और रिश्ता जुनून से भरा हुआ है। गुलाब सिर्फ फूल नहीं होते, बल्कि ये हमारी भावनाओं की भाषा होते हैं। इसलिए अगली बार जब आप किसी को गुलाब दें, तो उसके रंग का मतलब जरूर समझ लें।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 65 RNI/CHHBIL/44259

छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com

16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)

154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

नुआखाई समृद्ध कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाता के परिश्रम का उत्सव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नुआखाई पर्व की दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई फसल के स्वागत और प्रकृति के अनुपम उपहार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अन्नदाता किसानों की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और सभी परिवारों की खुशहाली की मंगलकामना की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई समृद्ध कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई फसल के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसान के अथक परिश्रम के प्रति आदर का भाव प्रकट करता है। खेतों में उपजी नई फसल केवल किसान की मेहनत का प्रतिफल नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा और हमारी कृषि प्रधान संस्कृति की समृद्धि का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हमारे अनेक पर्व और परंपराएं कृषि चक्र, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

श्रम का सम्मान, बुढ़ापे का संबल

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन योजना से संवर रहा शत्रुघ्न साहू का जीवन रायपुर। जीवन का अधिकांश हिस्सा दूसरों के आशियाने बनाने और हाड़-तोड़ मेहनत में गुजारने वाले धमतीर जिले के राजमिस्त्री श्री शत्रुघ्न साहू के लिए उम्र का यह पड़ाव अब चिंता का विषय नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक बन गया है। तहसील बेलरगांव के ग्राम पंचायत धदुला निवासी श्री साहू पिता स्वर्गीय बिदे राम साहू वर्ष 2011 से श्रम विभाग में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। समय के साथ ढलती उम्र ने साबने आई। अपने श्रमिक कार्ड के नवीनीकरण के लिए जब वे श्रम विभाग के कार्यालय पहुंचे, तो वहां संचालित सेवा संकल्प अभियान ने उनके लिए नई राह खोल दी। विभागीय अधिकारियों ने उन्हें मार्गदर्शन देते हुए बताया कि 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके और कम से कम 10 वर्षों से मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को सरकार प्रतिमाह 1,500 रुपये की पेंशन प्रदान करती है।

महाराजा चक्रधर सिंह ने कला को राज-सिंहासन से ऊपर रखा, रायगढ़ घराने को दिलाई विश्व पहचान

23 सितम्बर तक रामलीला मैदान में देश-प्रदेश के कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

रायपुर। राज्यपाल रमन डेका ने संगीत, नृत्य और कला की समृद्ध परंपरा से जुड़ी रायगढ़ की धरती पर 41वें अंतरराष्ट्रीय चक्रधर समारोह का सोमवार को महाराजा चक्रधर की तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत भव्य शुभारंभ किया।

राज्यपाल रमन डेका ने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल कला प्रस्तुतियों का मंच नहीं, बल्कि महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। 14 से 23 सितम्बर तक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाएं भी गायन, वादन, नृत्य और लोककला की प्रस्तुतियां देंगी।

राज्यपाल ने कलाकारों का किया सम्मान

शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल रमन डेका ने समारोह में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का सम्मान किया। पद्मश्री डॉ. उषा बारले, पद्मश्री अनुज शर्मा सहित अन्य कलाकारों और कला गुरु स्वर्गीय देवमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों ने प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह की सांस्कृतिक गरिमा को और ऊंचाई प्रदान की।

राज्यपाल रमन डेका ने कहा कि चक्रधर समारोह महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना और उनकी दूरदृष्टि को स्मरण करने का अवसर है। रायगढ़ भारतीय शास्त्रीय कलाओं की महत्वपूर्ण धरोहर भूमि है और रायगढ़ घराने के कथक ने देश ही नहीं, बल्कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। महाराजा चक्रधर सिंह ने राजसिंहासन से अधिक महत्व कला को दिया। उन्होंने कलाकारों को संरक्षण दिया और संगीत, नृत्य एवं साहित्य को आमजन के जीवन से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की कृतियां 'नर्तन सर्वस्व', 'तालतोय निधि' और 'राग रत्न मंजूषा' आज



भी कला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उन्होंने अपनी साधना से यह सिद्ध किया कि कला किसी एक स्थान या केंद्र की मोहताज नहीं होती। जहां निरंतर साधना होती है, वही स्थान कला का तीर्थ बन जाता है। रायगढ़ की पहचान आज संगीत, धुंधरुओं की झंकार, तबले की थाप और नृत्य की भाव-भंगिमाओं से जुड़ी है।

राज्यपाल ने कहा कि चक्रधर समारोह अब केवल एक शासकीय या संस्थागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह रायगढ़ की सांस्कृतिक धड़कन बन चुका है। देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलना इस समारोह की विशेषता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव पैदा करते हैं। युवाओं को परंपरा के साथ नवाचार को जोड़ते हुए कला को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पंथी, राउत नाचा, भरथरी, सुआ, करमा सहित आदिवासी नृत्य और लोकगीत हमारी सांस्कृतिक विविधता की पहचान हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है और चक्रधर समारोह इसी सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में छत्तीसगढ़ की सक्रिय सहभागिता, कचरे से संसाधन बनाने की तकनीकों पर मंथन

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने टीम के साथ राज्य की ओर से की भागीदारी

रायपुर। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित 10वें वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (WCEF 2026) में छत्तीसगढ़ ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा के नेतृत्व में राज्य से गई टीम ने फोरम में शामिल होकर सर्कुलर इकोनॉमी, संसाधन दक्षता और कचरे को संसाधन में बदलने के आधुनिक समाधानों पर वैश्विक विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ सुमीत अग्रवाल भी प्रतिनिधि मंडल में शामिल हैं।



आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कचरे को बेहतर प्रबंधन करते हुए उसे उपयोगी संसाधन में परिवर्तित किया जाए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वच्छ, मजबूत और टिकाऊ शहरों के निर्माण को गति मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में राज्य की पहल और मजबूत होगी।



स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने गोल्फ कोर्स पर स्वयं गोल्फ में हाथ आजमाया और शानदार शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री को गोल्फ खेलते देखकर उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अतिथियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

132 प्रोफेशनल खिलाड़ियों की भागीदारी छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवा रायपुर में देश के प्रोफेशनल गोल्फ का इतना प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल खिलाड़ी

हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इतने बड़े स्तर पर देश और दुनिया के श्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आना प्रदेश में खेलों के लिए विकसित हो रहे अनुकूल वातावरण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का प्रभाव केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं रहता। इससे प्रदेश की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

पहचान मजबूत होती है, खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय युवाओं को विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को करीब से देखने एवं उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न खेलों के बड़े आयोजन लगातार हों और प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध हो।

पहले फिल्मों में देखते थे गोल्फ आज छत्तीसगढ़ कर रहा बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी

मुख्यमंत्री श्री साय ने गोल्फ से जुड़ी अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था, जब हम गोल्फ के बारे में केवल सुना करते थे या फिल्मों में लोगों को गोल्फ खेलते देखते थे। आज बदलते छत्तीसगढ़ में हम स्वयं प्रोफेशनल गोल्फ के इतने बड़े आयोजन की मेजबानी कर रहे हैं। यह प्रदेश के विकास के साथ यहां तेजी से विस्तार ले रही खेल

संस्कृति का सुखद संकेत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोल्फ को सामान्यतः उद्योगपतियों और संपन्न वर्ग से जुड़ा खेल माना जाता था, लेकिन समय के साथ इस खेल का दायरा बढ़ा है और बड़ी संख्या में नए खिलाड़ी इससे जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी गोल्फ की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। राज्य सरकार गोल्फ को प्रोत्साहित करने, इसके लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार और प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के आयोजन में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

खेल अधीनस्थान के विस्तार के साथ प्रतिभाओं को मिल रहे नए अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रदेश की पहचान से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अधीनस्थान का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल भव्य क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है और विभिन्न खेल विधाओं के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन लगातार हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर संसाधन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन को बजट में शामिल किया है। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के आगे बढ़ने में संसाधनों और अवसरों की कमी बाधा नहीं बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खेलों के प्रति व्यापक वातावरण तैयार किया जा रहा है। प्रदेश में नेशनल ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन हुआ, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 2500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे अभिनव आयोजनों ने दूरस्थ अंचलों के हजारों बच्चों और युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का बड़ा मंच प्रदान किया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, जनभागीदारी और जनसेवा को दिया जाएगा व्यापक स्वरूप

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों, आयुक्तों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित वर्चुअल बैठक में अभियान के दौरान संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, विभागीय समन्वय, जनभागीदारी और प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल अहमदाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों को 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसेवा के प्रति आभार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन से जोड़ने के लिए अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा। उन्होंने अभियान में समाज के



सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के विकास और जनकल्याण के लिए विगत 25 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत हुई है। श्री साव ने कहा कि आज चीन भी भारत के साथ काम करना चाहता है और रूस के साथ भारत की मित्रता और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है और 'सेवा संकल्प अभियान' इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अभियान के दौरान किए जाने वाले कार्यों के प्रभावी दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न गतिविधियों और जनभागीदारी से जुड़े कार्यों का व्यवस्थित रूप से दस्तावेजीकरण किया जाए।

बदलाव की बयार: मिट्टी की कमजोर दीवारों से 'सपनों के आशियाने' तक कुसुम बाई का प्रेरक सफर

तब छातों से टपकती थी चिंता, अब पंख फैला रहे हैं सपने-कुसुम बाई को मिला नया जीवन

रायपुर। कच्ची दीवारें, बारिश में टपकती छत और हर मौसम में ढहने का डर-ग्राम पंचायत जी जामगांव, जमपद पंचायत कुरुद की कुसुम बाई के परिवार के लिए यह सिर्फ एक दैनिक चुनौती नहीं, बल्कि सालों की मजबूरी थी। मजदूरी से होने वाली सीमित आय में भोजन, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की जरूरतें ही बमुश्किल पूरी हो पाती थीं। ऐसे में एक पक्का मकान बनाना केवल एक दूर का सपना बना हुआ था।



उम्मीद की नई किरण:ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना वर्ष 2025-26 में पात्रता के आधार पर कुसुम बाई का चयन 'ग्राममंजरी आवास योजना (ग्रामीण)' के तहत हुआ। जमपद पंचायत द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में

उन्हें निर्माण प्रक्रिया, सहायता राशि और गुणवत्ता मानकों का स्पष्ट मार्गदर्शन मिला। इसके बाद उनके सपनों का घर ईंट और सीमेंट की मजबूत दीवारों के रूप में साकार होने लगा।

बदलाव: चिंता की जगह चेहरे पर चमक

आज कुसुम बाई अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित और मजबूत पक्के घर में रह रही हैं। अब न तो बारिश में सामान भीगने का खौफ है और न ही सीलन भरी दीवारों की चिंता। यह घर उनके लिए केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि परिवार के आत्मसम्मान, सुरक्षा और बच्चों के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant,
Separate Family A.C. Room
FREE
Home Delivery
With in 3 K.M.
0788-4011912

VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at
Chopati Civic Centre Bhilai
Near Chandulal Chandrakar Hospital,
Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912